कक्षा 10 के लिए

सामाजिक विज्ञान

में

नमूना प्रश्नपत्र

(संशोधित योजना पर आधारित)

बोर्ड की परीक्षा वर्ष 2009 से लागू

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

दिल्ली

सामाजिक विज्ञान

प्रश्नपत्र की योजना (डिजाइन)

विषय : सामाजिक विज्ञान | **अधिकतम अंक : 80**

कक्षा : X | **समय : 3 घंटे**

1. प्रश्नों के प्रकार पर अंक भार

प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रकार के प्रश्न के अंक	प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों की क्रम संख्या	कुल अंक
अति लघु-उत्तर वाले प्रश्न (अ.ल.उ.)	1	10	1-10	10
लघु-उत्तर वाले प्रश्न (ल.उ.)	3	8	11-18	24
दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (दी.उ.)	4	10	19-28	40
मानचित्र संबंधी प्रश्न (मा.प्र.)	6	1	29	6
योग		**29**	**1 से लेकर 29 तक**	**80**

2. विषयवस्तु पर अंक भार

(रा.शै.अ.प्र.प. तथा के.मा.शि. बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों के अध्यायों की संख्या पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई के संबंधित प्रकरण के सामने कोष्ठक में दी गई है।)

इकाई 1: भारत और समकालीन विश्व - 2 (इतिहास) **22 अंक**

1.1 घटनाएं और प्रक्रियाएँ

प्रकरण 1. यूरोप में राष्ट्रवाद (अध्याय-1)
प्रकरण 2. इण्डोचीन में राष्ट्रीय आंदोलन (अध्याय-2) } (कोई एक) 4 अंक

प्रकरण 3. भारत में राष्ट्रवाद (अध्याय-3) (अनिवार्य) 6 अंक

1.2 अर्थव्यवस्थाएँ और आजीविका

प्रकरण 4. औद्योगीकरण 1850-1950 (अध्याय-5)
प्रकरण 5. नगरीकरण और नगर-जीवन (अध्याय-6)
प्रकरण 6. व्यापार और वैश्वीकरण (अध्याय-4) } (कोई दो) 6 अंक

1.3	**संस्कृति, पहचान और समाज**		
	प्रकरण 7 मुद्रण संस्कृति और राष्ट्रवाद (अध्याय-7)	(कोई एक)	4 अंक
	प्रकरण 8 उपन्यास का इतिहास (अध्याय-8)		
1.4	**मानचित्र कार्य**		**2 अंक**
इकाई 2 : भारत संसाधन और उनका विकास (भूगोल)			**22 अंक**
2.1	संसाधन (अध्याय-1)		8 अंक
2.2	प्राकृतिक संसाधन (अध्याय-1)		
2.3	कृषि (अध्याय-4)		
2.4	जल संसाधन (अध्याय-3)		6 अंक
2.5	खनिज संसाधन (अध्याय-5)		
2.6	ऊर्जा संसाधन (अध्याय-5)		
2.7	विनिर्माण उद्योग (अध्याय-6)		
2.8	परिवहन, संचार और व्यापार (अध्याय-7)		4 अंक
2.9	मानचित्र कार्य		4 अंक
इकाई 3 : लोकतांत्रिक राजनीति - 2 (राजनीति विज्ञान)			**18 अंक**
3.1	लोकतंत्र की कार्य प्रणाली (अध्याय-3 व 4)		6 अंक
3.2	लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी का रचनातंत्र (अध्याय-1 व 2)		4 अंक
3.3	लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा और चुनावी संघर्ष (अध्याय- 5 व 6)		4 अंक
3.4	लोकतंत्र के परिणाम (अध्याय-7)		4 अंक
3.5	लोकतंत्र की चुनौतियां (अध्याय-8)		
इकाई 4 : आर्थिक विकास की समझ - 2			**18 अंक**
4.1	विकास की कहानी (अध्याय-1)		3 अंक
4.2	मुद्रा और वित्तीय प्रणाली (अध्याय-3)		4 अंक
4.3	भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्रक की भूमिका (अध्याय-2)		4 अंक
4.4	वैश्वीकरण (अध्याय-4)		4 अंक
4.5	उपभोक्ता जागरण (अध्याय-5)		3 अंक

3. इकाई-अनुसार प्रश्नों का विभाजन

इकाई सं. और शीर्षक/विषय	अंक	1 अंकीय प्रश्न		3 अंकीय प्रश्न		4 अंकीय प्रश्न		मानचित्र प्रश्न		योग
		क्रम संख्या	प्रश्न संख्या	क्रम संख्या	प्रश्न संख्या	क्रम संख्या	प्रश्न संख्या	क्रम संख्या	प्रश्न संख्या	
1: भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)	22	1	1	5	11-15	1	19	} 1	29 (2+4) अंक	20(7)
2: भारत : संसाधन और उनका विकास (भूगोल)	22	3	2-4	1	16	3	20-22			6(1) 18(7)
3: लोकतांत्रिक राजनीतिक-2 (नागरिक शास्त्र)	18	3	5-7	1	17	3	23-25			18(7)
4: आर्थिक विकास की समझ-2	18	3	8-10	1	18	3	26-28			18(7)
योग	80	10	1-10	8	11-18	10	19-28	1	29	80(29)

4. प्रश्नों के कठिनाई स्तर पर अंक भार

अनुमानित कठिनाई स्तर	प्रतिशत	अंक
कठिन (क)	20%	16
औसत (ख)	50%	40
सरल (ग)	30%	24
योग	100%	80

5. विकल्प की योजना : केवल मानचित्र-प्रश्न में ही आंतरिक विकल्प दिया जाएगा।

6. उत्तरों के लिए शब्द और समय सीमा **कुल समय (मिनट)**

(i) 1 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए एक शब्द या एक वाक्य और समय दो मिनट — 10x2=20 मिनट

(ii) 3 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए 60-80 शब्द और समय 6 मिनट — 8x6=48 मिनट

(iii) 4 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए 80-100 शब्द और समय 8 मिनट — 10x8=80 मिनट

(iv) मानचित्र प्रश्न : समय 15 मिनट — 1x15=15 मिनट

पुनरावृत्ति = 17 मिनट

कुल समय 180 मि./3 घंटे

7. कक्षा 10 की परीक्षा के लिए मानचित्र मदों (आइटम) की सूची

(क) इतिहास

भारत का राजनीतिक रेखामानचित्र

पृष्ठ 53, भारत में राष्ट्रवाद – (1918-1930)

(I) स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन : कलकत्ता (1920), मद्रास (1927), लाहौर (1929)
2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख केन्द्र : (असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन)
   - (i) चौरी-चौरा (उ.प्र.) असहयोग आंदोलन को वापस लेना
   - (ii) बारदोली (गुजरात) 'कर' न देने का आंदोलन
   - (iii) दांडी (गुजरात) सविनय अवज्ञा आंदोलन
   - (iv) चंपारन (बिहार) नील की खेती करने वाले किसानों का आंदोलन
   - (v) अमृतसर (पंजाब) जलियांवाला बाग की घटना
   - (vi) खेड़ा (गुजरात) किसान सत्याग्रह
   - (vii) अहमदाबाद (गुजरात) सूती मिल कामगारों का सत्याग्रह

(II) केवल पहचान के लिए

3. सत्रहवीं शताब्दी में भारत के पश्चिमी तट और पूर्वी तट पर विदेशी व्यापार के प्रमुख केन्द्र (पृष्ठ 91) गोआ, सूरत, मद्रास और मसूलीपत्तम
4. भारत में बृहत् औद्योगिक प्रदेश 1931 (पृष्ठ 123) बंगाल, बंबई, मद्रास, आदि

ख. भूगोल

भारत का राजनीतिक रेखामानचित्र

अध्याय-1 : संसाधन और विकास

केवल पहचान के लिए : मृदा के प्रमुख प्रकार

अध्याय-3 : जल संसाधन

स्थिति दिखाना और नामांकन - बांध : (1) सलाल, (2) भाखड़ा-नांगल, (3) टिहरी, (4) राणा प्रताप सागर, (5) गांधी सागर, (6) सरदार सरोवर, (7) रिहंद, (8) हीराकुड, (9) नागार्जुन सागर, (10) तुंगभद्रा और (11) कोयना

अध्याय-4 : कृषि

केवल पहचान के लिए

(क) चावल और गेहूँ के प्रमुख क्षेत्र

(ख) ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, दालों, गन्ने, मूंगफली, चाय, काफी, रबड़, कपास और जूट के प्रमुख उत्पादक राज्य

अध्याय-5 : खनिज और ऊर्जा संसाधन

खनिज (केवल पहचान के लिए)

(i) **लौह अयस्क की खानें :** मयूरभंज, दुर्ग, बेलाडिला, बेलारी, कुद्रेमुख।

(ii) **बाक्साइट की खानें :** कोरापुट, कटनी, अमरकंटक, और बिलासपुर।

(iii) **मैंगनीज की खानें :** सुंदरगढ़, बालाघाट, शिमोगा और नागपुर।

(iv) **अभ्रक की खानें :** अजमेर, ब्यावर, नेल्लोर, गया और हजारीबाग।

(v) **कोयले की खानें :** रानीगंज, झरिया, बोकारो, तालचिर, कोरबा, सिंगरौली, सिंगरेनी और नेवेली

(vi) **तेलक्षेत्र :** डिगबोई, नहरकटिया, मुंबई हाई बसीन, कलोल और अंकलेश्वर

विद्युत केन्द्र - (केवल स्थिति दिखाने और नामाकन के लिए)

(क) **तापीय :** नामरूप, लोकटक, बोंगईगांव, बरौनी, हरदुआगंज, चंद्रपुरा, कोरबा, दिल्ली, सतपुड़ा, भुसावल, उरण, रामगुंडम, विजयवाड़ा, और तूतीकोरिन।

(ख) **नाभकीय :** नरौरा, रावत भाटा, काकरापार, तारापुर, कैगा और कलपक्कम।

अध्याय-6 : निर्माण उद्योग

केवल स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए

(1) **सूती वस्त्र उद्योग :** मुंबई, पुणे, औरंगाबाद, इंदौर, अहमदाबाद, सूरत, आगरा, कानपुर, मुरादाबाद, चेन्नई, कोयंबतूर और मदुरई।

(2) **ऊनी वस्त्र उद्योग :** श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, पानीपत, बीकानेर, कानपुर, मिर्जापुर और जामनगर।

(3) **रेश्मी वस्त्र उद्योग :** बारामुला, अनंतनाग, श्रीनगर, मुर्शिदाबाद, बांकुरा, कोलार, मैसूर और बंगलौर

(4) **लोहा और इस्पात संयत्र :** बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो, जमशेदपुर, राऊरकेला, भिलाई, विजयनगर, भद्रावती, विशाखापत्तनम् और सेलम

(5) **साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क :** श्रीनगर, मोहाली, नौएडा, जयपुर, गांधीनगर, इंदौर, मुंबई, पुणे, गुवाहाटी, कोलकाता, भुवनेश्वनर, विशाखापत्तनम्, हैदराबाद, बंगलौर, मैसूर, चेन्नई और तिरूवनंतपुरम्।

अध्याय-7 : राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं

केवल पहचान के लिए : स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर-दक्षिण गलियारा और पूर्व-पश्चिम गलियारा

राष्ट्रीय राजमार्ग : रा.रा.1, रा.रा.2, रा.रा.3, रा.रा.5, रा.रा.7, रा.रा.8, रा.रा.15 और रा.रा.17

स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए : प्रमुख पत्तन-काँडला, मुंबई, जवाहरलाल नेहरू, मर्मागाओ, न्यू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम्, पाराद्वीप, हल्दिया और कोलकाता

अंतर्राष्ट्रीय वायुपत्तन : अमृतसर (राजा सांसी), दिल्ली (इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय), चेन्नई (मीनाम्बक्कम्), तिरुवनंतपुरम्, कोलकाता (नेताजी सुभाष चन्द्र बोस) और हैदराबाद।

नोट - स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए निर्धारित मदों को पहचान के लिए भी दिया जा सकता है।

प्रश्नपत्र की विशेषताएं

कक्षा 10 के लिए सामाजिक विज्ञान में निम्नलिखित 5 पाठ्य-पुस्तकें निर्धारित की गई हैं -

इकाई (1) भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु. 1)

इकाई (2) समकालीन भारत-2 (भूगोल) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित, (पा.पु.2)

इकाई (3) लोकतांत्रिक राजनीति-2 (राजनीति विज्ञान) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु.3)

इकाई (4) आर्थिक विकास की समझ-2 रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु.4)

इकाई (5) आओ मिलकर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर-भाग 3, कक्षा 10 के लिए आपदा प्रबंधन की के.मा.शि. बोर्ड द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तक (पा.पु. 5) केवल परियोजना कार्य और नियत कार्य के लिए है। आपदा प्रबंधन पर प्रश्नपत्र में कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।

2. इकाई 1 और इकाई 2 में से मानचित्र प्रश्न सहित पूरे प्रश्नपत्र में 29 प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. (क) प्रश्न संख्या 29, मानचित्र-प्रश्न इकाई 1 से 2 अंक का तथा इकाई 2 से 4 अंक का होगा।

   (ख) मानचित्र प्रश्न के लिए योजना के बाद क्र.सं. 7 पर मानचित्र की मदें (आइटम) दे दी गई हैं।

   (ग) मानचित्र पर प्रश्न संख्या 29 में पहचान और स्थिति दिखाने और नामांकन में किसी एक को चुनने का विकल्प होगा। प्रत्येक विकल्प में 6 मदें होंगी। (2 इतिहास से और 4 भूगोल से)

4. प्रश्न पत्र की योजना के अनुसार ही प्रश्नपत्र बनाए जाएंगे।

5. समकालीन भारत (भूगोल) भाग-2 से निम्नलिखित प्रसंग (टॉपिक) हटा दिए गए हैं :

   (i) अध्याय-2 वन और वन्य जीव संसाधन।

   (ii) अध्याय-4 में से निम्नलिखित उप-प्रसंग : खाद्य सुरक्षा (पृष्ठ 47) और वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव (पृष्ठ 48)

6. प्रश्नपत्रों की विषयवस्तु और उनकी अंक योजना (उत्तरों की रूपरेखा सहित) उपर दी गई निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के अनुरूप होनी चाहिए।

7. कक्षा 10 के लिए सामाजिक विज्ञान में नए प्रकार के प्रश्न का समावेश किया गया है। इसमें इतिहास की पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्रोत–आधारित बॉक्स के आधार पर बनाए गए स्रोत आधारित प्रश्न भी शामिल होंगे। अन्य पाठ्यपुस्तकों में दिए गए चित्रों/तस्वीरों में से किसी की भी व्याख्या संबंधित प्रश्न होंगें। स्रोत आधारित वैकल्पिक प्रश्न भी स्रोत आधारित अन्य बाक्सों में से ही दिया जाएगा।

8. प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत (16 अंकों के) प्रश्न उच्चस्तरीय विवेचना/कौशल (H.O.T.) के होंगे।

सामाजिक विज्ञान

प्रश्नपत्र की रुपरेखा

विषय : सामाजिक विज्ञान **अधिकतम अंक : 80**

कक्षा : 10 **समय : 3 घंटे**

पाठ्यपुस्तक संख्या	अध्याय संख्या	अंक	प्रश्न का प्रकार				इकाई का योग
			दीर्घ उत्तर (4)	लघु उत्तर (3)	अति लघु उत्तर (1)	मानचित्र प्रश्न (2+4)	
1	1 या 2	4	4(1)		1(1)		22(7) (1)
	3	6		6(2)			
	4,5 और 6 (कोई दो)	6 4 2		6(2)			
	7 या 8	4		3(1)	1(1)		
	मानचित्र कार्य	2				2(1)*	
2	1 और 4	8	8(2)				22(7)
	3,5 और 6	6	4(1)		2(2)		
	7	4		3(1)	1(1)		
	मानचित्र कार्य	4				4(1)*	

3	1 और 2	4	4(1)				18(7)
	3 और 4	6	4(1)		2(2)		
	5 और 6	4	4(1)				
	7 और 8	4		3(1)	1(1)		
4	1	3			3(3)		18(7)
	2	4	4(1)				
	3	4	4(1)				
	4	4	4(1)				
	5	3		3(1)			
कुल योग		80	40(10)	24(8)	10(10)	6(1)	80(29)

नोट :

(i) कोष्ठक के अंदर की गई संख्याएं प्रश्नों की संख्या बताती है तथा कोष्ठक के बाहर दी गई संख्याएं अंक बताती हैं।

(ii) प्रश्नों के प्रकार हैं : (i) अ.ल.उ. (1 अंक प्र.) क्रम सं. 1-10 (ii) ल.उ. (3 अंक प्र.) क्रम सं. 11-18 (iii) दी.उ. (4 अंक प्र.) क्रम सं. 19-28 (iv) मानचित्र प्र. (2 और 4 अंक) क्रम सं. 29

(iii) पाठ्यपुस्तक संख्या 1 इतिहास, 2 भूगोल, 3 राजनीति विज्ञान, 4 अर्थशास्त्र

*'एक प्रश्न बनाने के लिए अंक मिला दिए गए हैं।

सामाजिक विज्ञान

नमूना प्रश्न पत्र-1

कक्षा 10 **अधिकतम अंक : 80**

समय : 3 घंटे

निर्देश

1. *कुल मिलाकर 29 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2. *प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक दिए गए हैं।*
3. *क्रम संख्या 1 से 10 तक के प्रश्न 1 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द से एक वाक्य तक के हो सकते हैं।*
4. *क्रम संख्या 11 से 18 तक के प्रश्न 3 अंको वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 80 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।*
5. *क्रम संख्या 19 से 28 तक के प्रश्न 4 अंकों वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 100 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।*
6. *प्रश्न संख्या 29 मानचित्र कार्य का प्रश्न है। मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के बीच में संलग्न कर दीजिए।*

प्र.1 सन् 1857 के पश्चात् भारत में अंग्रेजी सरकार ने समाचारपत्रों की स्वतंत्रता क्यों घटा दी थी? 1

या

मलयाली उपन्यासकार के रूप में वायक्कम मुहम्मद बशीर के योगदान के विषय में लिखिए। 1

प्र.2 पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नदियों पर बने बांधों को ''आधुनिक भारत के मन्दिर'' क्यों कहा था? प्रमुख कारण की व्याख्या कीजिए। 1

प्र.3 मैग्नेटाइट और हैमेटाइट लौह अयस्क में समानता और भिन्नता का *एक-एक* बिंदु लिखिए।(½+½) 1

प्र.4 भारत का सबसे उत्तर का अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन कौन सा है? 1

प्र.5 भारत में जाति ने किन *दो* तरीकों से राजनीति को प्रभावित किया है? ½+½ = 1

प्र.6 उन दो एशियाई देशों के नाम बताइये जिनमें *दो* भाषाई और जातीय समूहों में संघर्ष था। ½+½ = 1

प्र.7 भारतीय लोकतंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए *एक* सुधार बताइये। 1

प्र.8 प्रति व्यक्ति आय की परिभाषा दीजिए। 1

प्र.9 पंजाब, केरल और बिहार में से किस राज्य में शिशु मृत्युदर सबसे कम है? 1

प्र.10 किसी अर्थव्यवस्था में विकास को धारणीय कैसे बनाया जा सकता है? संसाधनों के उपयोग के संदर्भ में *एक* उदाहरण दीजिए। 1

प्र.11 उन परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए, जिनमें गांधी जी ने नमक कर को हटाने के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मांग के रूप में चुना। 3x1 = 3

प्र.12 भारतीय समाज में दलितों की प्रतिष्ठा को ऊंचा उठाने के लिए विभिन्न नेताओं के द्वारा सुझाए गए तरीकों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 3x1 = 3

नीचे क्रम सं. 13 व 14 के प्रश्नों के क, ख और ग तीन समूह दिए गए हैं। इन दो प्रश्नों के उत्तर देने के लिए किसी एक समूह को चुनिए।

समूह क

प्र.13 19वीं शताब्दी में भारत में उत्पादकों द्वारा बाजार का विस्तार करने के लिए अपनाए गए *तीन* उपायों का विश्लेषण कीजिए। 3x1 = 3

प्र.14 वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 19वीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में *तीन* प्रकार की गतियों और प्रवाहों की व्याख्या कीजिए। 3x1 = 3

समूह ख

प्र.13 19वीं शताब्दी के ब्रिटेन में स्त्रियों की स्थिति का *तीन* बिंदुओं में वर्णन कीजिए। 3x1 = 3

प्र.14 ''कैरिबियन में अनुबंधित श्रमिकों (गिरमिटिया मजदूरों) ने एक नई संस्कृति को जन्म दिया''। *तीन* उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए। 3x1= 3

समूह ग

प्र.13 प्रथम विश्वयुद्ध ने भारतीय उद्योगों के लिए नाटकीय ढंग से एक नई स्थिति पैदा कर दी। *तीन* स्थितियाँ बताते हुए विश्लेषण कीजिए कि यह कैसे संभव हुआ? 3x1= 3

प्र.14 क्या आप इस कथन से सहमत है या असहमत कि लंदन नगर में नगरीकरण की प्रक्रिया अवसरों की तुलना में अधिक निराशाजनक सिद्ध हुई? 3x1= 3

प्र.15 पाठ्यपुस्तक से लिए गए निम्नलिखत उद्धरण को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3x1= 3

"जानी-मानी शिक्षाविद और लेखिका बेगम रोकैया शेखावत हुसैन ने 1926 में, बंग महिला शिक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए, धर्म के नाम पर महिलाओं को पढ़ने से रोकने के लिए पुरुषों की निंदा की-

'नारी-शिक्षा के विरोधी कहते हैं कि इससे महिलाएँ उद्दंड हो जाएँगी...

'छि:! ये खुद को मुसलमान बताते हैं, और इस्लाम द्वारा औरतों को बराबरी की तालीम का हक़ देने के बुनियादी उसूल के ख़िलाफ़ जाते हैं। अगर पुरुष पढ़-लिखकर नहीं भटकते, तो महिलाएँ क्यों बिगड़ जाएँगी, भला?'

(क) व्याख्या कीजिए कि बेगम रोकैया सखावत हुसैन स्त्रियों की शिक्षा के अधिकार के लिये किस प्रकार जोरदार वकालत करती है?

(ख) 19वीं शताब्दी में मुद्रित पुस्तकों का भारत में स्त्रियों पर क्या प्रभाव पड़ा? 3x1= 3

या

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़िये तथा इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+1= 3

''प्रिय बच्चियों! इन उपन्यासों को पढ़ना मत, छूना भी नहीं। तुम्हारी जिन्दगी तबाह हो जाएगी। तुम्हें बीमारियां और व्याधियां घेर लेंगी। ईश्वर ने तुम्हें क्यों पैदा किया है - इतनी छोटी सी उम्र में भटकने के लिए?बीमार पड़ने के लिए? अपने भाइयों, रिश्तेदारों और आस-पास वालों की घृणा का पात्र बनने के लिए?नहीं! नहीं। तुम्हें मां बनना है, तुम्हें अच्छी जिन्दगी चाहिए; यही तुम्हारा दैवी उद्देश्य है। तुमने इस उदात्त उद्देश्य को पूरा करने के लिए जन्म लिया है, क्या तुम्हें इन ..... उपन्यासों के पीछे पागल होकर अपनी जिन्दगी बर्बाद कर देनी चाहिए?''

(क) लेखक द्वारा बच्चियों को दिए गए संदेश का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 19वीं शताब्दी के प्रारंभ की उस स्त्री उपन्यासकार का नाम बताइये, जिसने स्त्रियों की पत्नियों और माँओं की पारंपरिक भूमिका के विरुद्ध लिखा था। 2+1= 3

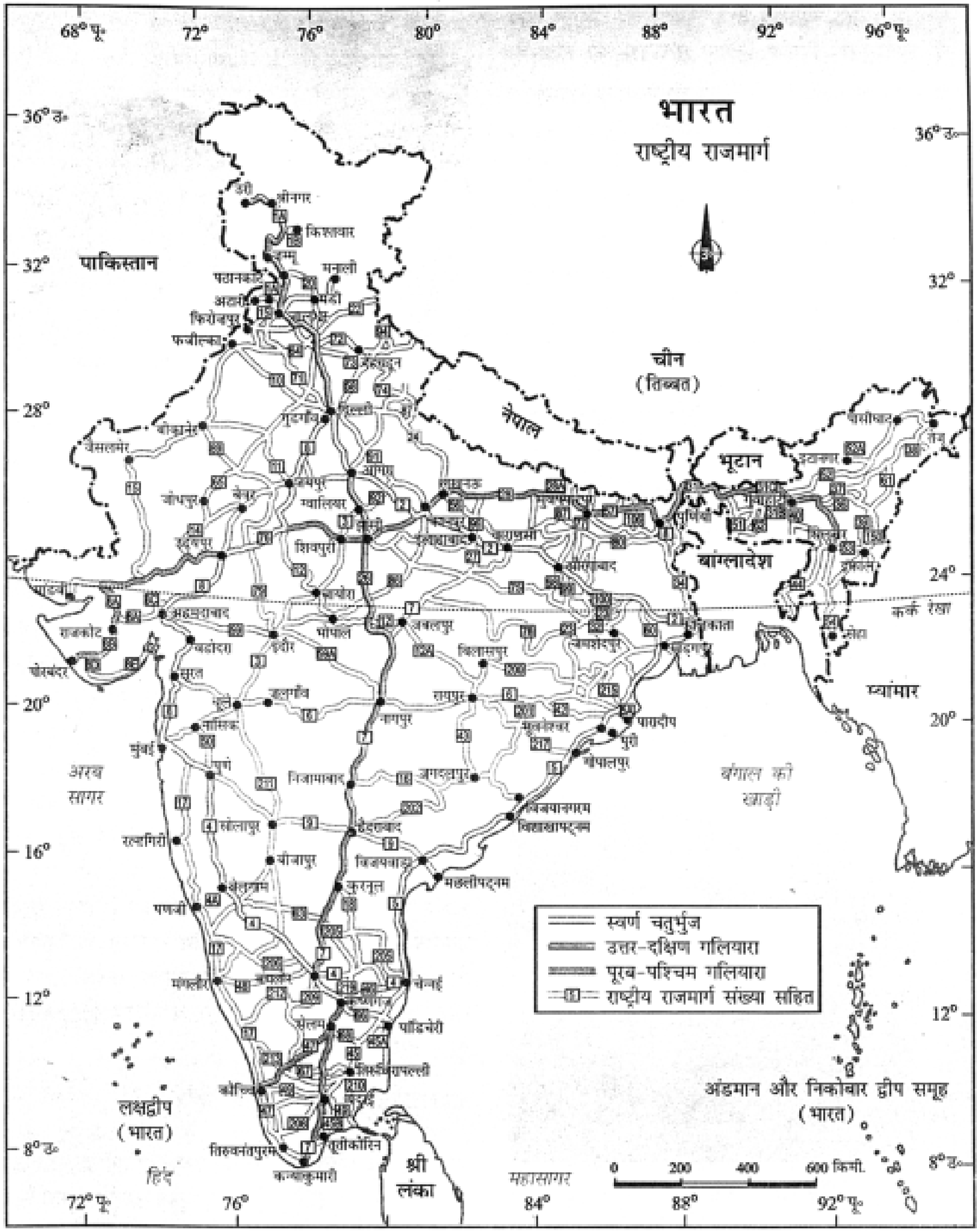

प्र.16 ऊपर दिए गए मानचित्र का अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1½+1½= 3

(16.1) मानचित्र में दिखाए गए तीन महा राजमार्गों के नाम बताइये।

(16.2) इनमें से पहले महा राजमार्ग द्वारा जोड़े गए किन्हीं तीन महानगरों के नाम बताइये।

केवल दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 16 के बदले में :
उन तीन राज्यों के नाम बताइये, जिनमें से प्रत्येक में दो प्रमुख समुद्री पत्तन हैं तथा इनमें से प्रत्येक राज्य के किसी एकपत्तन का नाम बताइये। 1½+1½= 3

प्र.17 *तीन* उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए कि किस प्रकार लोकतंत्र में नागरिकों की प्रतिष्ठा और स्वतंत्रता को सबसे अच्छी गारंटी दी जाती है। 3x1= 3

प्र.18 उपभोक्ता संरक्षण कानून के अंतर्गत दिए गए चुनने के अधिकार का उपयुक्त उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए। 3

प्र.19 संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध वियतनामी युद्ध में होची मिन्ह मार्ग के कोई *चार* लक्षण बताइये। 4X1= 4

या

जर्मनी के एकीकरण की *चार* अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

प्र.20 भारत की मरूस्थलीय मृदाओं की *चार* विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4X1= 4

प्र.21 भारत में चावल की खेती की *चार* महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4X1= 4

प्र.22 किसी उद्योग की आदर्श स्थिति में किस कारक की सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है? इस कारक की पुष्टि में किन्हीं *तीन* कारणों की व्याख्या कीजिए। 1+3= 4

प्र.23 भारत में सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए किए गए किन्हीं *चार* उपायों की व्याख्या कीए। 4X1= 4

प्र.24 *दो* उदाहरण देकर समझाइये कि सामाजिक विभाजन ने राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया है। 2+2= 4

प्र.25 ''लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की प्रमुख भूमिका होती है।'' इस कथन की पुष्टि में *चार* बिंदु दीजिए। 4X1= 4

प्र.26 तृतीयक क्षेत्रक का अर्थ बताइये। इस क्षेत्र के विकास में योगदान देने वाले कोई से *तीन* कारक बताइये। 1+3= 4

प्र.27 निम्नलिखित सारणी में 2003 में भारत में ग्रामीण परिवारों के लिए ऋण के स्रोत दिए गए है –

स्रोत	**भागीदारी**
महाजन	30%
सहकारी समितियां	27%
व्यापारिक बैंक	25%
अन्य (व्यापारी, संबंधी, आदि)	18%

ऊपर दी गई सारणी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(27.1) कुल ऋण में औपचारिक क्षेत्र की कितनी भागीदारी है?
(27.2) कुल ऋण में औपचारिक क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने के दो उपाय सुझाइए।
(27.3) महाजन अब भी ऋण का अकेला सबसे बड़ा स्त्रोत क्यों हैं? 1+2+1 4

प्र.28 स्वतंत्रता के पश्चात् भारत सरकार ने विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश पर प्रतिबंध क्यों लगाया था? 1+2+1 4

प्र.29 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखामानचित्र में क्रम सं. 1 से 6 तक छ: लक्षण अंकित किए गए हैं। निम्नलिखिज जानकारी की सहायता से इन लक्षणों को पहचानिए और मानचित्र पर खींची गई रेखाओं पर इनके सही नाम लिखिए

1. सत्रहवीं शताब्दी में विदेशी व्यापार का प्रमुख केन्द्र।
2. 1931 में बृहत् औद्योगिक प्रदेश।
3. मृदा का एक प्रकार
4. काफी का प्रमुख उत्पादक
5. कोयले की एक खान और
6. पूरब-पश्चिम गलियारे का अंतिम पूर्वी नगर 6x1 6

या

प्र.29 दिए गए भारत के राजनीतिक रेखामानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति दिखाकर उनका नामांकन कीजए:

1. एक स्थान जहां 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।
2. गुजरात में एक स्थान जहां गांधी जी ने सूती मिलों के कामगारों के सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया था।
3. छत्तीसगढ़ में स्थित लोहे और इस्पात का कारखाना
4. तमिलनाडु में नाभकीय विद्युत केन्द्र
5. जम्मू और कश्मीर में एक साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क और
6. आंध्रप्रदेश में एक समुद्री पत्तन 6x1 6

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न सं. 29 के बदले में है -

(i) उस स्थान का नाम बताइये जहां गांधी जी ने नील की खेती करने वाले किसानों के आंदोलन का आयोजन किया था।

(ii) उस स्थान का नाम बताइये जहां 13 अप्रैल 1919 में हत्याकांड हुआ था।

(iii) छत्तीसगढ़ में स्थित लोहे और इस्पात के कारखाने का नाम बताइये।

(iv) तमिलनाडु के नाभिकीय विद्युत केन्द्र का नाम बताइये।

(v) जम्मू और कश्मीर में स्थित साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क का नाम बताइये।

(vi) आंध्रप्रदेश के समुद्री पत्तन का नाम बताइये।

मानचित्र (प्र. 29 से संबंधित)

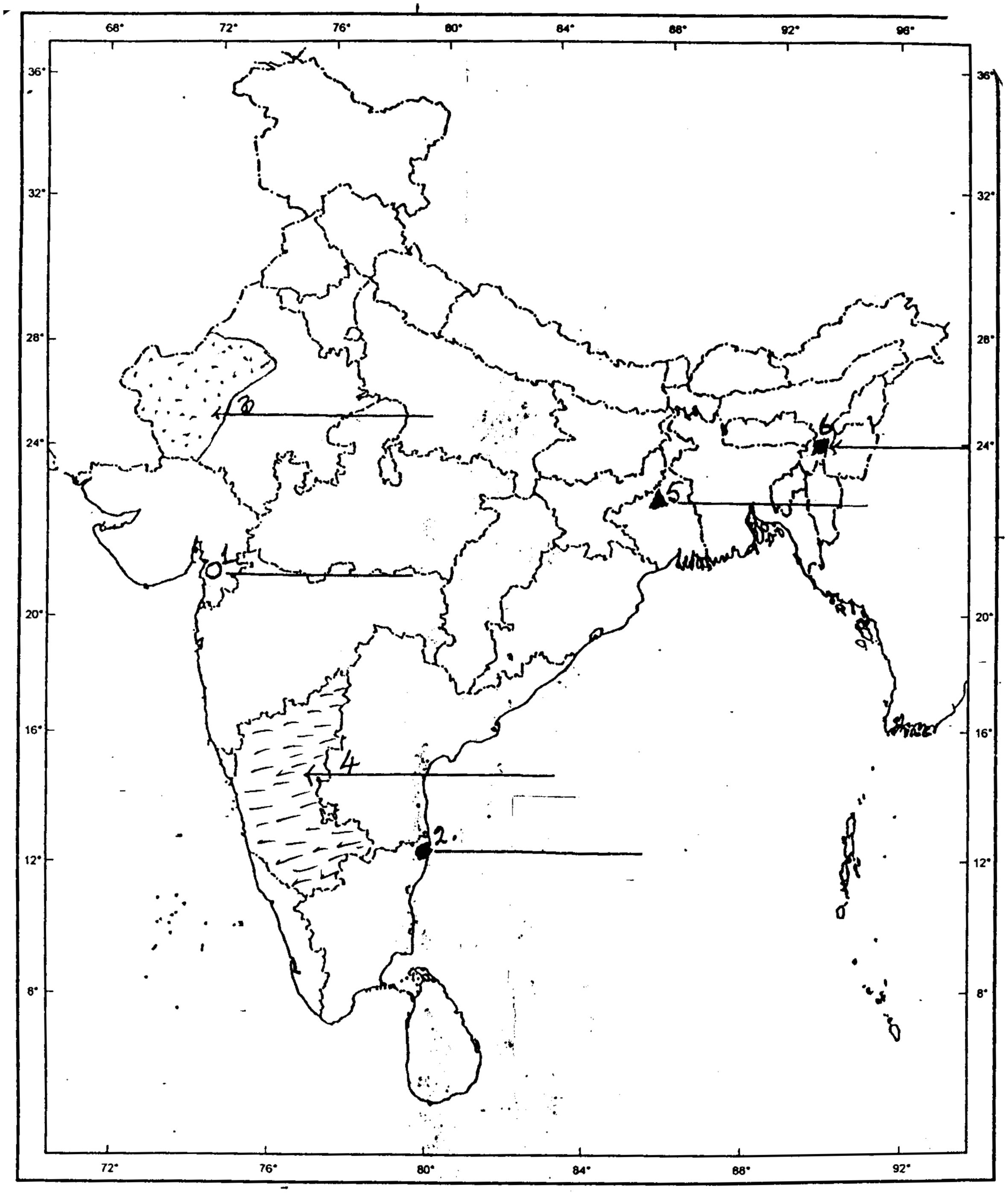

या

मानचित्र (प्र. 29 से संबंधित)

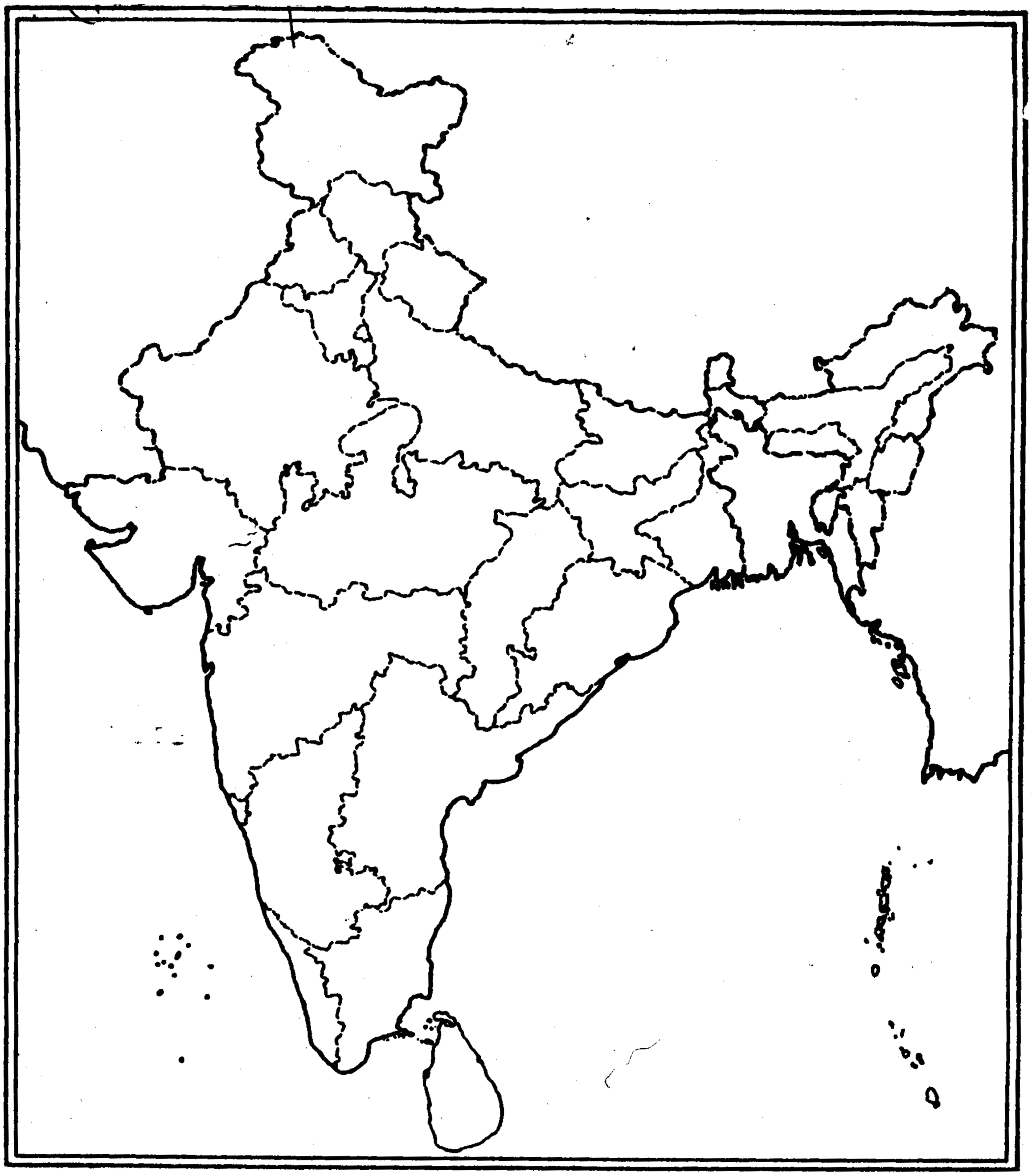

सामाजिक विज्ञान

नमूना प्रश्न पत्र-1

अंक योजना

कक्षा X **अधिकतम अंक : 80**

समय : 3 घंटे

प्र.सं. **अंक**

प्र.सं.	उत्तरों की रूपरेखा	अंक
प्र.1	क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देसी' प्रेस का मुँह बंद करने की माँग की। राष्ट्रवादी अखबारों ने औपनिवेशिक कुशासन की खबरें छापीं तथा राष्ट्रवादी गतिविधियों को प्रोत्साहित करते रहे। (पा.पु. 1 पृ. 175)	1
	या	
	वी.एम. बशीर की औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर हुई थी। उनकी कृतियां उनके विपुल अनुभवों पर आधारित थीं। उनकी उपन्यासिकाएं और कहानियां आम बोल-चाल की भाषा में लिखी गई थीं। उन्होंने गरीबी, पागलपन और कैदी जीवन जैसे असामान्य विषयों पर अपनी कलम चलाई थी। (पा.पु. 1 पृ. 196)	1
प्र.2	नदियों पर बने बांध कृषि के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तीव्रगामी औद्योगीकरण और नगरीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ समन्वित करेंगे। (पा.पु. 2 पृ. 28)	1
प्र.3	(क) **समानता**: मैग्नेटाइट और हैमेटाइट दोनों ही लौह अयस्क हैं। ½ (ख) **अंतर** : (1) मैग्नेटाइट में 70% जबकि हैमेटाइट में 50-60% लोहांश होता है। ½ (2) मैग्नेटाइट में सर्वश्रेष्ठ चुंबकीय गुण होते हैं। अतः इसका उपयोग मुख्य रूप से विद्युत उद्योगों में होता है। जबकि हैमेटाइट मुख्य रूप से लोहा बनाने के काम में लाया जाता है। (कोई एक बिंदु ½ अंक) (पा.पु. 2 पृ. 56)½+½=	1
प्र.4	अमृतसर में राजा सांसी (पा.पु.2 पृ. 95)	1
प्र.5	**राजनीति पर जाति का प्रभाव :** ½+½= (i) चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन जाति के आधार पर किया जाता है। (ii) राजनीतिक दलों द्वारा जातीय भावनाएँ भड़काई जाती हैं। (पा.पु. 3 पृ. 51-53)	1
प्र.6	श्रीलंका, इजरायल, भारत, इराक और पाकिस्तान। (कोई दो देश, या कोई अन्य प्रासंगिक देश) (पा.पु. 3 पृ. 37) ½+½=	1

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.7	**भारतीय लोकतंत्र को निम्नलिखित सुधारों द्वारा और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है :½+½=**	1
	(i) लोगों को लोकतांत्रिक सुधार करने की ताकत प्रदान करने के लिए कानून बनाना और उन्हें लागू करना जैसे सूचना के अधिकार का कानून।	
	(ii) राजनीतिक भागीदारी की गुणवत्ता में सुधार। (ऊपर के बिंदुओं में से कोई एक) (पा.पु. 3 पृ. 108)	1
प्र.8	संपूर्ण देश की कुल आय को इसकी कुल जनसंख्या से भाग देने पर प्राप्त आय को, प्रतिव्यक्ति आय कहते है। (पा.पु. 4 पृ. 8)	1
प्र.9	केरल राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है। (पा.पु. 4 पृ. 10)	1
प्र.10	भूमिगत जल, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा आदि जैसे नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग करके किसी अर्थव्यवस्था में विकास को धारणीय बनाया जा सकता है। (पा.पु. 4 पृ. 15)	1
प्र.11	(i) सभी वर्ग नमक के साथ जुड़ सकते थे क्योंकि यह भोजन की सस्ती वस्तु और अनिवार्य वस्तु भी थी।	
	(ii) अमीर-गरीब सभी नमक का इस्तेमाल करते थे।	
	(iii) नमक पर कर लगाना तथा इसके बनाने पर एकाधिकार, अंग्रेजी शासन के दमन का प्रतीक था।	
	(iv) इससे अंग्रेजों पर आर्थिक दृष्टि से बुरा प्रभाव पड़ता था। (कोई तीन बिंदु) 3x1= (पा.पु. 1 पृ. 63)	3
प्र.12	(i) महात्मा गांधी दलितों को 'हरिजन' अर्थात् ईश्वर की संतान कहकर पुकारते थे। उन्होंने उन्हें मंदिरों, सार्वजनिक कुओं, तालाब, सड़कों और स्कूलों में समान अधिकार दिलाने के लिए सत्याग्रह किया।	
	(ii) मैला ढोने वालों के काम को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए वे स्वयं शौचालय साफ करने लगे। उन्होंने ऊँची जातियों को छूआछूत की प्रथा को छोड़ने के लिए राजी किया।	
	(iii) लेकिन बहुत सारे दलित नेता अपनी समस्याओं का सामाजिक हल के स्थान पर राजनीतिक समाधान चाहते थे।	
	(iv) दलित नेताओं ने शिक्षा संस्थाओं में आरक्षण के लिए भी आवाज उठाई।	
	(कोई तीन बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 68) 3x1=	3
	समूह क	
प्र.13	19वीं शताब्दी में अपनी वस्तुओं के बाजार का विस्तार करने के लिए भारतीय उत्पादकों ने नीचे लिखे उपाय किए:	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(i) जब ब्रिटिश निर्माताओं ने भारतीय बाजार पर कब्जे के लिए प्रयास किया तो भारतीय उत्पादकों और उद्योगपतियों ने औपनिवेशिक नियंत्रण का विरोध किया, आयात शुल्क सुरक्षा के लिए मांग उठाई, अपने लिए जगह बनाई और अपने माल के बाजार को फैलाने का प्रयास किया। (ii) नए उत्पादों के लिए - विज्ञापनों ने लोगों की सोच बदल दी। इसका प्रारंभ औद्योगीकरण के प्रारंभिक दिनों से हुआ था। (iii) लेबल द्वारा - लेबलों पर केवल शब्द और अक्षर ही नहीं होते थे, अपितु वे सुंदर चित्रों के द्वारा भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करते थे। (iv) भारतीय देवी-देवताओं की तस्वीरें-इनके द्वारा निर्माता यह दिखाता था कि भगवान भी चाहता है कि लोग उस वस्तु को खरीदे। (v) कैलेंडर - ये चाय की दुकानों और गरीब लोगों के घरों में टंगे रहते थे? (vi) प्रमुख व्यक्तियों के चित्र। सम्राटों और नवाबों की तस्वीरों का उपयोग भी होता था। (कोई 3 बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 124-125) 3X1=	3
प्र.14	अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में तीन प्रकार के गतियों या प्रवाह: आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिकीय कारकों ने पूरे-पूरे समाजों की कायापलट कर दी और विदेशी संबंधों को नया रूप दे दिया। अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय के तीन प्रवाह थे : (i) व्यापार का प्रवाह - 19वीं शताब्दी में मुख्यत: कपड़े और गेहूँ का व्यापार होता था। (ii) श्रम का प्रवाह - रोजगार की खोज में लागों का प्रवास। (iii) पूंजी प्रवाह - पूंजी का अल्प या दीर्घ अवधि के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में निवेश कर दिया जाता था। ये तीनों प्रवाह एक दूसरे से जुड़े थे और लोगों के जीवन को प्रभावित करते थे। (पा.पु. 1, पृ. 81) 3X1=	3
	<u>अथवा</u> **समूह ख**	
प्र.13	**18वीं शताब्दी के अंत तथा 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटेन में स्त्रियों की दशा** औद्योगिक नगर के जीवन में परिवर्तन और बदलाव आने लगे। (i) परिवार के सदस्यों के बीच बंधन ढीले पड़ने लगे। उच्च और मध्यम वर्ग की औरतें अकेलापन महसूस करने लगीं, यद्यपि घरेलू नौकरों के कारण उनकी जिंदगी काफी आसान हो गई, क्योंकि वे उनके लिए काम करते थे। (ii) निम्नतर सामाजिक वर्गों की महिलाओं का अपने जीवन पर अच्छा-खास नियंत्रण था। वे वेतन के लिए काम करती थीं। कुछ मामलों में, परिवारों को टूटने से बचाने के लिए, औरतों को वापस घरों में धकेल दिया गया।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(iii) सार्वजनिक स्थान केवल पुरुषों के लिए सुरक्षित हो गए थे। समानता के अधिकार को यह बड़ा झटका था। चार्टिज्म आंदोलन के बाद औरतें मताधिकार पाने के राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेने लगीं। (पा.पु. 1 पृ. 136) 3X1=	3
प्र.14	(i) कठोर परिस्थितियों में जीते हुए और काम करते हुए, अनुबंधित श्रमिकों ने जिंदगी जीने के अपने तरीके ढूँढ़ निकाले। उन्होंने आत्म-अभिव्यक्ति के व्यक्तिगत और सामूहिक नए रूप खोज लिए। इनमें उन्होंने पुरानी और नई विभिन्न संस्कृतियों का मिला-जुला रूप विकसित कर दिया। अनेक त्यौहार मनाए जाने लगे। इनमें सभी प्रदेशों, धर्मों और जातियों के 'कामगार' हिस्सा लेने लगे। उदाहरण के लिए - मुहर्रम, विशाल उत्सवी मेले के रूप में मनाया जाने लगा। इसे 'होसे' नाम दे दिया गा। (ii) चटनी संगीत : त्रिनिदाद और गुयाना में लोकप्रिय था। सांस्कृतिक समागम के ये स्वरूप एक नई वैश्विक दुनिया के उदय की प्रक्रिया के अंग थे। इसमें विभिन्न स्थानों की चीजें आपस में घुल मिल जाती थीं और बिल्कुल नया रूप धारण कर लेती थीं। (iii) शिवनरैन, चंद्रपाल, और रामनरेश सरवन भारत से गए अनुबंधित मजदूरों के भारतीय नाम है, जो वहां प्रचलित है। (पा.पु. 1 पृ. 87-88) 3X1=	3
	समूह ग	
प्र.13	प्रथम विश्वयुद्ध तक भारत में औद्योगिक विकास धीमा था। युद्ध ने एक नई स्थिति पैदा कर दी, जिसने भारतीय उद्योगों में नई जान फूंक दी: (i) प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान सेना की मांग पूरी करने के लिए ब्रिटिश कारखाने युद्ध संबंधी उत्पादन में लगे थे। इसीलिए भारत में मैनचेस्टर के माल का आयात कम हो गया। (ii) इस स्थिति में भारतीय उद्योगों को एक विशाल देशी बाजार मिल गया। (iii) युद्ध की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए भारतीय उद्योगों को जूट की बोरियां, तम्बू, चमड़े के जूते, सेना की वर्दी के कपड़े जैसे सामानों की पूर्ति करनी पड़ी। (iv) नए कारखाने लगाए गए। पुराने कारखाने कई पालियों में चलने लगे। अनेक नए मजदूरों को काम पर रखा गया और इस प्रकार औद्योगिक उत्पादन तेजी से बढ़ने लगा। (v) युद्ध के समाप्त होने के बाद भी ब्रिटेन संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और जापान से प्रतिस्पर्द्धा या बराबरी नहीं कर सका। परिणामस्वरूप ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। (vi) सस्ते मशीन से बने धागे ने 19वीं शताब्दी में कताई उद्योग को तो खत्म कर दिया था, लेकिन तमाम समस्याओं के बावजूद बुनकर अपना व्यवसाय किसी तरह चलाते रहे।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	बीसवीं शताब्दी में हथकरघों पर बने कपड़े का उत्पादन निरंतर बढ़ता गया। (संक्षिप्त व्याख्या के साथ कोई तीन बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 121-123) 3X1=	3
प्र.14	(विद्यार्थियों को कथन के पक्ष या विपक्ष में उत्तर देने की छूट है) 'हा' मैं इससे सहमत हूँ कि लंदन नगर के नगरीकरण की प्रक्रिया ने अवसरों की तुलना में निराशा ही अधिक दी थी। जैसे-जैसे लंदन नगर ने काम की तलाश में गांवों से अनेक प्रवासियों की आकर्षित किया, वैसे ही वहां अनेक समस्याएं पैदा हो गईं: (i) जैसे-जैसे लंदन बढ़ा, वहां अपराध भी बढ़ने लगे। वहां अनेक गरीब लोग ऐसे थे जिनकी रोजी-रोटी अपराध से चलती थी। (ii) पहले से कारखानों में काम करने वाली अनेक स्त्रियों ने प्रौद्योगिकीय विकास के कारण अपनी नौकरियां खो दीं। अनेक को मजबूरन घरेलू नौकरों का काम करना पड़ा। (iii) कारखानों के मालिक प्रवासी कामगारों को रहने की जगह नहीं देते थे। मजबूरन उन्हें सस्ते और असुरक्षित मकानों (टेनेमेंट्स) में रहना पड़ता था। इससे झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ने लगी। चारों ओर फैली गंदगी से स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो गई। (iv) भारी संख्या में बच्चों को बहुत कम वेतन वाले कामों में धकेल दिया गया। (v) कार्य स्थल और कारखानें धुंआरे और असुरक्षित थें। (कथन की पुष्टि के लिए कोई तीन बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 128-133) 3X1=	3
	या नहीं, मैं असहमत हूँ.... (i) उद्योगों के विकास के कारण लंदन नगर बड़ा और बड़ा होता गया। यह नगर गांव से आए प्रवासी कामगारों के लिए अवसर और आशा का नगर बन गया। (ii) नगर में अनेक तरह के काम थे जैसे छोटे क्लर्क, कारीगर, दुकानदार, अर्द्धकुशल कामगार, सैनिक, नैकर, दिहाड़ी मजदूर, पटरी वाले विक्रेता, आदि। (iii) लंदन में पांच बड़े उद्योग थे - परिधान, लकड़ी और फर्नीचर, धातु और इंजीनियरी, छपाई और स्टेशनरी और उन्नत तकनीक वाले उद्योग जैसे घड़ी बनाना। इनमें बड़ी संख्या में कामगारों को रोजगार मिला था। (iv) पहले विश्वयुद्ध (1914-18) के दौरान लंदन में मोटरकार और बिजली के उपकरण भी बनने लगे। इनमें शहर की तीन-चौड़ाई नौकरियां सिमट गई। (कथन से असहमति के कोई बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 128-133) 3X1=	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.15	(क) बेगम रोकैया सखावत हुसैन ने स्त्रियों के शिक्षा के अधिकार की जोरदार वकालत की। उन्होंने इस्लाम के मौलिक सिद्धान्तों का हवाला दिया। जिनके अनुसार स्त्रियों को शिक्षा का समान अधिकार प्राप्त है।	1
	(ख) 1. मध्यम वर्गी घरों में मुद्रित पुस्तकों ने स्त्रियों में पढ़ने की आदत को कई गुना बढ़ा दिया।	
	2. अनेक पुस्तकें स्त्रियों के जीवन और भावनाओं का वर्णन करती थी। इस कारण स्त्रियाँ पढ़ने में और भी अधिक रुचि लेने लगीं।	
	3. कुछ मामलों में पुस्तकों ने उन्हें काफी निडर बना दिया और उन्होंने अपने ऊपर रूढ़िवादी परिवारों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को तोड़ना शुरू कर दिया।	
	4. स्त्रियों की शिक्षा के विरोधियों के कारण अनेक स्त्रियां चोरी छिपे पढ़ने लगीं।	
	5. इस प्रकार उन्होंने पुरुषों के शिक्षा पर एकाधिकार को चुनौती दे दी और समानता के अधिकार का दावा ठोक दिया।	
	6. अनेक महिलाएं, लेखिकाएं बन गई। उन्होंने स्त्रियों के प्रति अन्यायपूर्ण व्यवहार को खूब प्रमुखता दी। (कोई 2 बिंदु 2 अंक) (पा.पु. 1, पृ. 132) 1+2=	3
	या	
	(क) लेखक द्वारा बच्चियों को दिया गया संदेश :	
	1. उपन्यास मत पढ़िये	
	2. उन्हें छूना भी मत।	
	3. तुम्हारा जीवन बर्बाद हो जाएगा।	
	4. तुम्हें रोग और व्याधियाँ घेर लेंगी। 4X½=	2
	ख. जेन आस्टिन	1
प्र.16	(16.1) (i) स्वर्णिम-चतुर्भुज	
	(ii) उत्तर-दक्षिण गलियारा	
	(iii) पूरब-पश्चिम गलियारा	
	(16.2) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई (कोई 3 लिखिए) 1½+1½=	3
	दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए:	
	(क) महाराष्ट्र, तमिल नाडु और पश्चिम बंगाल 1½+1½=	3
	(ख) 1. महाराष्ट्र: मुम्बई / जवाहरलाल नेहरू	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	2. तमिल नाडु : चेन्नई / तूतीकोरिन	
	3. पं. बंगाल : कोलकाता / हल्दिया	
प्र.17	(1) लोकतंत्र सरकार का सबसे अच्छा रूप है क्योंकि यह व्यक्ति की प्रतिष्ठा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है।	
	(2) स्त्रियों का सम्मान और समान अधिकार लोकतांत्रिक समाज के आवश्यक अंग हैं।	
	(3) लोकतंत्र में कमजोर और भेदभाव की शिकार हुई जातियों के समान दर्जे और समान अवसर के दावे को बल दिया जाता है।	
	(4) लोकतंत्र लोगों को आशान्वित करने तथा सत्ताधारियों पर आलोचनात्मक नजर रखने के लिए जागरूकता और योग्यता प्रदान करने में मदद करता है।	
	(5) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। (कोई तीन बिंदु) (पा.पु. 3 पृ 97-98) 3X1=	3
प्र.18	आयु, लिंग और सेवा के स्वरूप पर ध्यान दिए बिना कोई भी उपभोक्ता चाहे वह किसी भी रूप में सेवा प्राप्त करता है, तो भी उसे अधिकार है कि वह सेवा प्राप्ति जारी रखे या बंद कर दे। उपयुक्त उदाहरण देकर इसकी व्याख्या कीजिए। (पा.पु. 4 पृ. 81)	3
प्र.19	होची मिन्ह भूलभुलैया मार्ग, संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध लड़ने के लिए, वियतनामियों द्वारा बनाया गया एक प्रभावशाली सुरक्षा तंत्र था। यह इस बात का प्रतीक है कि वियतनामी अपने सीमित साधनों का, अपने फायदे के लिए कितनी सूझबूझ से उपयोग करना जानते थे। भूल भुलैया मार्ग के लक्षण निम्नलिखित थे:	
	(1) भूलभुलैया मार्ग सड़कों और पगडंडियों का एक विशाल जाल था। इसके द्वारा उत्तर से दक्षिण को सैनिक और रसद भेजी जाती थी।	
	(2) भूलभुलैया मार्ग पर जगह-जगह छोटे-छोटे सैनिक अड्डे और अस्पताल बने थे।	
	(3) माल ढुलाई का अधिकतर काम कुली करते थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होती थी। कुली 25 किलोग्राम सामान अपनी पीठ पर तथा 75 किलो सामान साइकिल पर ले जाते थे। कुछ इलाकों में माल की ढुलाई ट्रकों से भी होती थी।	
	(4) इस मार्ग का अधिकतर भाग वियतनाम के बाहर पड़ोसी देशों लाओस और कम्बोडिया में पड़ता था। इसकी कुछ शाखाएं वियतनाम में भी फैली थी।	
	(5) संयुक्त राज्य अमेरिका रसद की आपूर्ति बन्द करने के लिए इस मार्ग पर बार-बार बम गिराता था। परन्तु उसके प्रयत्न प्राय: बेकार हो जाते थे, क्योंकि वियतनामी बड़ी जल्दी इसकी मरम्मत कर देते थे। पचास के दशक के अंत में इस मार्ग को काफी बेहतर बना दिया गया था। 1967 के बाद हर महीने लगभग 20,000 उत्तरी वियतनामी सैनिक इस मार्ग द्वारा दक्षिण वियतनाम पहुँच जाते थे। (काई 4 बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 47) 4X1=	4

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	या **जर्मनी के एकीकरण की प्रमुख अवस्थाएं :** (1) 1848 में विभिन्न प्रदेशों के एकीकरण के लिए मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में राष्ट्रवादी भावनाएं काफी व्याप्त थीं। (2) इस पहल को दबा दिया गया। (3) इसके बाद ऑटो वॉन बिस्मार्क के नेतृत्व में प्रशा ने राष्ट्रीय एकीकरण के आंदोलन का नेतृत्व संभाल लिया (4) सात वर्षों के दौरान आस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों ने एकीकरण की प्रक्रिया पूरी कर दी और 1871 में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। (पा.पु. 1 पृ. 19) 4X1=	4
प्र.20	(1) मरूस्थलीय मृदाएं रंग में लाल और भूरे रंग की होती है। (2) ये मृदाएं आम तौर पर रेतीली और लवणीय होती हैं। (3) कुछ क्षेत्रों में नमक की मात्रा इतनी अधिक होती है कि झीलों के पानी को वाष्पीकृत करके खाने का नमक भी बनाया जाता है। (4) मृदाओं में ह्यूमस और नमी की मात्रा कम होती है। (5) मृदा की सतह के नीचे कैल्शियम की मात्रा के बढ़ते जाने से नीचे की परतों में कंकर पाए जाते हैं। (6) नीचे की संस्तर स्थिति में कंकरों की परत के बन जाने से जल का रिसाव नहीं हो पाता। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 2 पृ. 11) 4X1=	4
प्र.21	**भारत में चावल की खेती की विशेषताएँ :** (1) भारत के अधिकतर लोगों की मुख्य खाद्य फसल चावल है। (2) भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक है। (3) चावल खरीफ की फसल है, जिसे उगाने के लिए 25° से ऊपर उच्च तापमान और 100 से. मी. से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। (4) चावल उत्तर और उत्तर पूर्वी मैदानों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टाई प्रदेशों में उगाया जाता है। (5) कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी सिंचाई की मदद को चावल उगाया जाता है। ऐसे क्षेत्र हैं : पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ भाग।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 2 पृ. 38-40) 4X1=	4
प्र.22	(क) कम से कम लागत : उद्योगों की आदर्श अवस्थिति में इस कारक की प्रमुख भूमिका होती है।	1
	(ख) **कारण:** (1) कारखाने तक कच्चा माल लाने में कम से कम खर्च होना चाहिए।	
	(2) कारखाने में विभिन्न उत्पादों के निर्माण में बहुत कम लागत आनी चाहिए।	
	(3) कारखाना ऐसी जगह होना चाहिए जहां से निर्मित उत्पादों का वितरण आसानी से हो सके या बाजार तक कम से कम लागत पर ले जाया सके।	
	(4) कारखाने का स्थान ऐसे क्षेत्र में होना चाहिए जहां पर विशिष्ट श्रमिक मिलते हों या आसानी से लाए जा सकते हों, क्योंकि इसमें कम से कम लागत आती है।	
	(कोई तीन कारण 3 अंक) (पा.पु. 2 पृ. 70) 1+3=	4
प्र.23	**भारत में सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए किए गए विविध उपाय :**	
	(1) सरकार का तीन स्तरीय ढांचा है : स्थानीय स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर	
	(2) ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायती राज तथा नगर निगम और नगर पालिकाएं शहरों में काम करती हैं।	
	(3) राज्यों का शासन सरकारें चलाती है। यहां लोग अपने विधायक (एम.एल.ए.) चुनते हैं।	
	(4) लोकसभा के सांसदों (एम.पी.) का चुनाव सीधे लोगों द्वारा किया जाता है।	
	(5) लोकतंत्र के तीसरे स्तर को और अधिक शक्तिशाली तथा प्रभावी बनाने के लिए 1992 में संविधान में संशोधन किया गया था।	
	(6) स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव नियमित रूप से कराना संवैधानिक बाध्यता है।	
	(7) प्रत्येक राज्य में पंचायतों और नगर पालिकाओं का चुनाव करने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया जाता है।	
	(8) राज्य सरकारों को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा स्थानीय निकायों को देना पड़ता है।	
	(कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 3, पृ. 24, 25) 4X1=	4
प्र.24	(1) सामाजिक विभाजन कभी-कभी राजनीतिक विभाजन में बदल जाता है। इससे देश विखंडन की तरफ जा सकता है।	
	(2) सामाजिक विभाजन उम्मीदवारों की वोट देने की पंसद को प्रभावित करता है।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(3) राजनीतिज्ञ इनका प्राय: वोट बैंक और अलगाव की राजनीति के रूप में शोषण करते हैं। (पा.पु. 3, पृ. 34 और 36) (ऊपर के बिंदुओं में से कोई दो) 2+2=	4
प्र.25	**राजनीतिक दल लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:**	
	(1) वे सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ते हैं।	
	(2) वे लोगों की पसंद के लिए नीतियां और कार्यक्रम सामने रखते हैं।	
	(3) वे लोगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों से अवगत करवाते हैं और जनता की राय तय करवाते हैं।	
	(4) अपनी अलग राय को बताकर विरोधी दल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।	
	(5) दल सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं।	
	(कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 3 पृ. 73-74) 4X1=	4
प्र.26	(क) **तृतीयक क्षेत्रक** में सेवाओं का उत्पादन करने वाले क्रियाकलाप शामिल किए जाते हैं।	1
	(ख) इस क्षेत्रक के विकास में योगदान करने वाले कारक -	
	(1) सरकार, अस्पताल, शिक्षा, परिवहन आदि की सेवाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है।	
	(2) कृषि और उद्योग का विकास	
	(3) आय में वृद्धि के साथ सेवाओं की मांग में वृद्धि होती है	
	(4) नई से नई सेवाओं का उदय	
	(पा.पु. 4 पृ. 25 और 25) (कोई तीन बिंदु 3 अंक) 1+3=	4
प्र.27	(27.1) औपचारिक क्षेत्रक का हिस्सा 52% है।	
	(27.2)(i) संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंकों को और अधिक शाखाएं खोलनी चाहिए।	
	(ii) बैंकों से ऋण लेना और अधिक आसान और सरल बनाया जाना चाहिए।	
	(27.3) अनेक क्षेत्रों में ऋण के औपचारिक स्रोत हैं ही नहीं। तथा अन्य स्रोतों से ऋण लेना बहुत मुश्किल काम है। (पा.पु. 4 पृ. 48) 1+2+1=	4
प्र.28	स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विदेश व्यापार और विदेशी-निवेश पर प्रतिबंध लगा रखा था ताकि देश के उत्पादों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण प्रदान हो। उद्योगों का विकास अभी शुरू ही हुआ था और वे सुस्थापित विदेशी प्रतिस्पर्धियों की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं थे। भारत ने केवल अनिवार्य वस्तुओं जैसे मशीनरी, उर्वरक, पेट्रोलियम आदि के आयात को ही अनुमति दे रखी	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु		अंक
	थी। सभी विकसित देशों ने विकास के प्रारंभिक चरणों में घरेलू उत्पादकों को इसी प्रकार के तरीकों से संरक्षण दिया था। (पा.पु. 4 पृ. 64)		4
प्र.29	उत्तर संलग्न मानचित्र पर देखिए	6X1=	6
	या		
	उत्तर संलग्न मानचित्र पर देखिए	6X1=	6
	दृष्टिहीन छात्रों के लिए		
	1. चंपारन		
	2. जलियांवाला बाग		
	3. भिलाई		
	4. कलपक्कम्		
	5. श्रीनगर		
	6. विशाखापत्तनम्	6X1=	6

प्र.29 का उत्तर

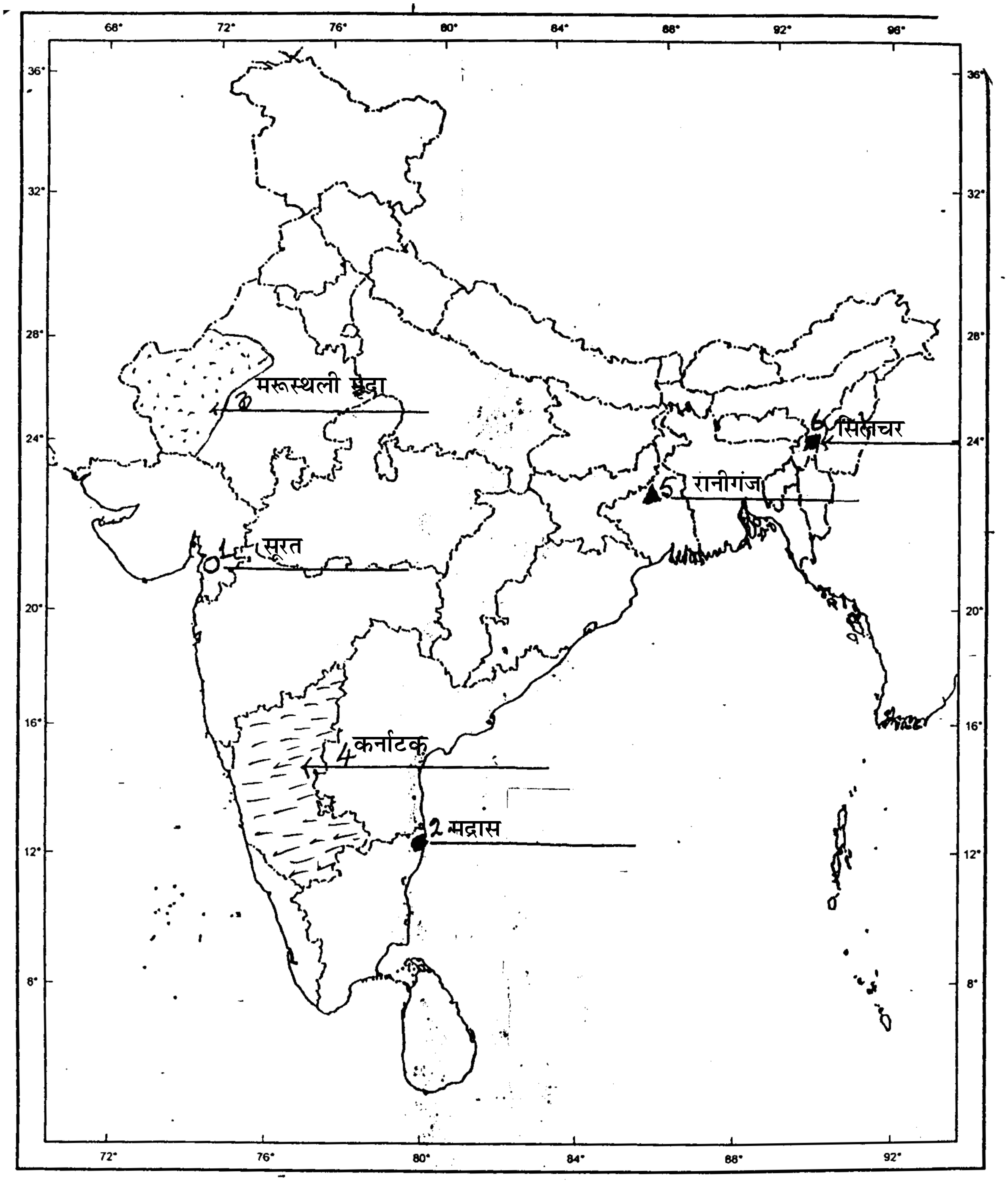

68°
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°
36°
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°
3 मरूस्थली मृदा
6 सिलचर
5 रानीगंज
1 सूरत
4 कर्नाटक
2 मद्रास

या

प्र.29 का उत्तर

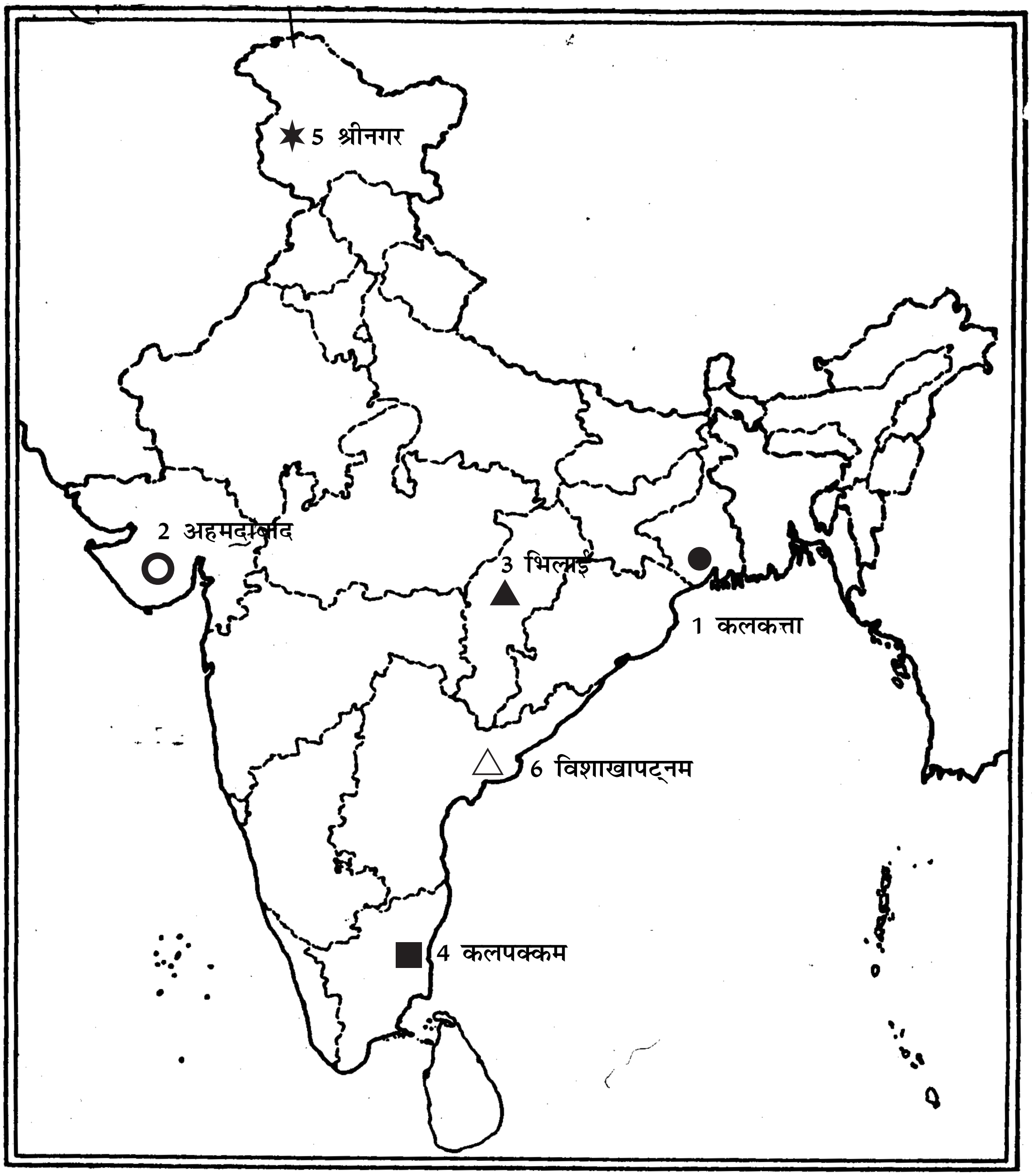

नमूना प्रश्न पत्र - I

विषय : सामाजिक विज्ञान　　कक्षा : दसवीं　　अधिकतम अंक : 80　　समय : 3 घंटे

प्रश्नानुसार विश्लेषण

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
1	I,7 या 8	अ० ल० उ०	1	2 मिनट	ख
2	II,3	"	1	"	क
3	II,5	"	1	"	ख
4	II,7	"	1	"	ग
5	III,4	"	1	"	ग
6	III.3	"	1	"	ग
7	III,8	"	1	"	ख
8	IV,1	"	1	"	ग
9	IV,1	"	1	"	ख
10	IV,1	"	1	"	ख
11	I,3	ल० उ०	3	6 मिनट	ख
12	I,3	"	3	"	ख
13	I,4,5,6	"	3	"	क
14	I,4,5,6	"	3	"	क
15	I,7 या 8	"	3	"	क
16	II,7	"	3	"	ख
17	III,7	"	3	"	ख
18	IV,5	"	3	"	ख
19	I,1 या 2	दी० उ०	4	8 मिनट	ख
20	II,1	"	4	"	ग
21	II,4	"	4	"	ग
22	II,6	"	4	"	ख
23	III,2	"	4	"	ख

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
24	III,3	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ख
25	III,6	"	4	"	ग
26	IV,2	"	4	"	ग
27	IV,3	"	4	"	ख
28	IV,4	"	4	"	ग
29	1.4 और 2.9	मानचित्र प्रश्न	2+4	5+10 मिनट	क
कठिनाई स्तर में प्रयुक्त संकेताक्षरों के अर्थ					
	क	कठिन	20%	16 अंक	
	ख	औसत	50%	40 अंक	
	ग	आसान	30%	24 अंक	

सामाजिक विज्ञान

नमूना प्रश्न पत्र-2

कक्षा : 10

समय - 3 घंटे | **अधिकतम अंक : 80**

निर्देश

1. कुल मिलाकर 29 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक दिए गए हैं।

3. क्रम संख्या 1 से 10 तक के प्रश्न 1 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द से लेकर एक वाक्य तक के हो सकते हैं।

4. क्रम संख्या 11 से 18 तक के प्रश्न 3 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 80 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

5. क्रम संख्या 19 से 28 तक के प्रश्न 4 अंको वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 100 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

6. प्रश्न सं. 29 मानचित्र कार्य का प्रश्न हैं। मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के बीच में संलग्न कर दीजिए।

प्र.1 पेनी चैपबुक्स या एक पैसिया किताबें किसे कहते थे?

या

चार्ल्स डिकेन्स द्वारा लिखित ''ओलिवर ट्विस्ट'' का मुख्य विषय बताइये। 1

प्र.2 सतत् पोषणीय विकास के लिए खनिज संरक्षण क्यों बहुत अनिवार्य है? कोई दो कारण बताइए। ½+½= 1

प्र.3 वित्तीय निवेश के आकार की ऊपरी सीमा क्या है, जो एक लघु उद्योग को बृहत् उद्योग से अलग करती है?

प्र.4 दिल्ली और अमृतसर के मध्य के ऐतिहासिक शेरशाह सूरी मार्ग को अब क्या नाम दिया गया है?

प्र.5 श्रीलंका में लोगों के संघर्षरत दो समूहों के नाम बताइये। ½+½= 1

प्र.6 'नारीवादी' शब्द की व्याख्या कीजिए। 1

प्र.7 लोकतंत्र को सरकार का अधिक अच्छा रूप क्यों माना जाता है? कोई दो कारण बताइये। ½+½= 1

प्र.8 विश्व बैंक द्वारा विभिन्न देशों की प्रति व्यक्ति आय की गणना उनकी अपनी मुद्रा में न करके, डालरों में क्यों की जाती है? 1

प्र.9 ''किसी के लिए जो विकास हो सकता है, वही दूसरे के लिए विकास नहीं हो सकता है।'' उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 1

प्र.10 देशों की कुल आय को, आपस में तुलना करने के लिए उपयोग में क्यों नहीं लाया जाता है? 1

प्र.11 पाठ्यपुस्तक के निम्नलिखित उद्धरण को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

स्वतन्त्रता दिवस की शपथ; 26 जनवरी 1930

''हमारा विश्वास है कि किसी भी समाज की तरह भारतीय जनता का भी एक अहरणीय अधिकार है कि उन्हें आजादी मिले, अपनी मेहनत का फल मिले और जीवन की सभी आवश्यकताएँ पूरी हो, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के परिपूर्ण अवसर मिलें। हमारा यह भी विश्वास है कि यदि कोई भी सरकार अपनी जनता को इन अधिकारों से वंचित रखती है और दबाती है तो जनता को भी सरकार को बदलने या उसे समूल समाप्त करने का अधिकार है। भारत में ब्रितानी सरकार ने, न केवल भारतीय जनता को स्वतंत्रता से वंचित किया है बल्कि उसने जनता का शोषण किया है और देश को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवम आध्यात्मिक स्तर पर नष्ट कर दिया है। इसलिए हमारा विश्वास है कि भारत को अनिवार्य रूप से ब्रिटेन के साथ अपने सभी संबंधों को समाप्त करके पूर्ण स्वराज प्राप्त करना चाहिए।''

(क) किन *दो* प्रकारों से भारत में ब्रितानी शासन दमनात्मक था?

(ख) कांग्रेस के लाहौर अधिवेश के भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर पड़ने वाले किन्ही *दो* तात्कालिक प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 1+2= 3

प्र.12 ''लोगों को एकजुट करने तथा उनमें राष्ट्रीयता की भावना को जगाने के लिए कुछ चिन्हों और प्रतीकों का उपयोग किया गया था।'' अपने उत्तर की पुष्टि में *दो* प्रमाण दीजिए। 1½+1½= 3

नीचे, क्रम सं. 13 और 14 के प्रश्नों के क, ख, और ग, तीन समूह दिए गए हैं। इन दो प्रश्नों के उत्तर देने के लिए किसी एक समूह को चुनिए।

समूह क

प्र.13 वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था के उन *तीन* लक्षणों की व्याख्या कीजिए, जिन्होने 19वीं शताब्दी के अन्तिम वर्षों में आकार ग्रहण किया था। 3x1= 3

प्र.14 19वीं शताब्दी में कारखानों में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन धीमी गति से क्यों हो रहे थे, इसके किन्हीं *तीन* कारणों की व्याख्या कीजिए। 3x1= 3

समूह ख

प्र.13 औद्योगीकरण के कारण लंदन नगर में मनोरंजन और अवकाश के संदर्भ में हुए सामाजिक परिवर्तनों का *तीन* बिन्दुओं में वर्णन कीजिए। 3x1= 3

प्र.14 "19वीं शताब्दी के प्रारंभ में भारतीय वस्त्र उद्योग में गिरावट आई।" *तीन* ठोस तर्कों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए। 3x1= 3

समूह ग

प्र.13 बंबई कुछ लोगों में लिए सपनों की नगरी तथा कुछ लोगों के लिए कष्टों की नगरी क्यों है? 3

प्र.14 विवेचना कीजिए कि महामंदी संयुक्त राज्य अमेरिका की भयंकर घटना क्यों थी? 3

प्र.15 मुंशी प्रेमचंद की कृतियों के, 20वीं शताब्दी के प्रारंभ के भारतीय समाज की सामाजिक दशाओं के प्रतिबिंब होने का वर्णन कीजिए। 3

या

किन्हीं *दो* विषयों का वर्णन करिये जिनपर लेखिकाओं नें 19 वीं शताब्दी में इंगलैंड में लिखा। 1½+1½= 3

प्र.16 दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

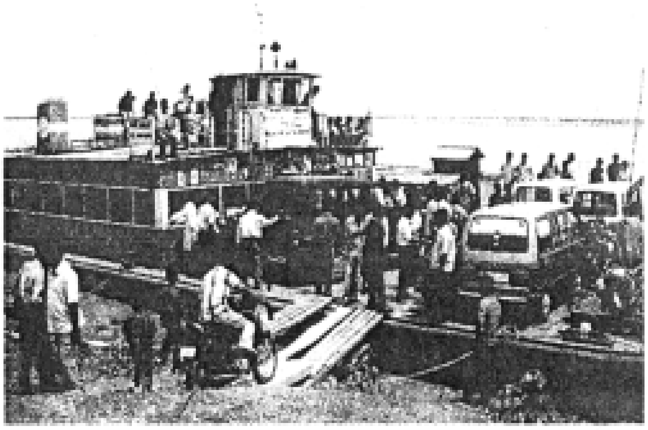

1. दिए गए चित्र का उपयुक्त शीर्षक सुझाइये।

2. उत्तर पूर्वी भारत में परिवहन के इस प्रकार को लोकप्रिय बनाने के लिए उत्तरदायी किन्हीं *दो* कारणों की व्याख्या कीजिए। 1x2= 3

दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 16 के बदले

भारत के किस प्रदेश में वायु परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं? इसके *दो* कारण बताइए। 1½+1½= 3

प्र.17 लोकतंत्र की *तीन* चुनौतियों की विवेचना कीजिए। 3x1= 3

प्र.18 उपभोक्ता संरक्षण कानून के अंतर्गत ''सूचना के अधिकार'' के अर्थ की उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

प्र.19 वियतनाम में फ्रांसीसी शिक्षा प्रणाली के लागू होने के संदर्भ में दो दलों के बीच किस प्रकार के मतभेद थे? 4

या

1871 के पश्चात् यूरोप में बाल्कन प्रदेश किस प्रकार राष्ट्रीय तनाव का स्रोत बन गया था?

प्र.20 ''संसाधन नियोजन'' का अर्थ समझाइए। भारत में संसाधन नियोजन की आवश्यकता *तीन* बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए। 1+3= 3

प्र.21 भारत में उत्पादित की जाने वाली *चार* रेशेदार फसलें कौन सी हैं? इनमें से कौन सी फसल सीधे जमीन से नहीं प्राप्त की जाती? इसके उत्पादन में शामिल प्रक्रिया का क्या नाम है? 2+1+1 4

प्र.22 भारत के विभिन्न भागों में उपभोग की जा रही, वर्षा-जल संग्रहण की किन्हीं *चार* पारंपरिक विधियों का वर्णन कीजिए। 4x1= 4

प्र.23 सत्ता की साझेदारी के *चार* रूपों का वर्णन कीजिए। 4

प्र.24 ''भारत में स्त्रियों के साथ अभी भी भेदभाव होता है, जिसके कारण समाज में उनकी स्थिति में असमानता बनी हुई है।'' *चार* उपयुक्त उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए। 4x1= 4

प्र.25 भारत में वर्ग विशेष हित समूह और जन सामान्य के हित समूह में से प्रत्येक के प्रमुख लक्षण का वर्णन कीजिए। 2+2= 4

प्र.26 विगत तीस वर्षों में भारत में तृतीयक क्षेत्रक सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक क्यों बन गया है? *चार* कारणों की व्याख्या कीजिए। 4x1= 4

प्र.27 भारत में ग्रामीण साख (ऋण) के *दो* औपचारिक और *दो* अनौपचारिक स्रोतों के नाम बताइये। साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत के कोई *दो* लाभ बताइये। 1+1+2= 4

प्र.28 भारत में वैश्वीकरण के *एक* अच्छे प्रभाव तथा *एक* बुरे प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 2+2= 4

प्र.29 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखामानचित्र में क्रम सं. 1 से 6 तक छः लक्षण अंकित किए गए हैं। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से इन लक्षणों को पहचानिए और मानचित्र पर खींची गई रेखाओं पर इनके सही नाम लिखिए।

1. सत्रहवीं शताब्दी में भारत के पश्चिमी तट पर विदेशी व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र;

2. 1931 में बड़े पैमाने के उद्योगों का एक प्रदेश:

3. मृदा का एक प्रकार

4. चाय का एक प्रमुख उत्पादक राज्य

5. लौह अयस्क की एक खान; और

6. एक ताप बिजलीघर

या

प्र.29 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखामानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति दिखाकर उनका नामांकन कीजिए।

1. दांडी
2 चंपारन
3. कानपुर
4. हीराकुड बांध
5. रा.रा.2 का पूर्वी अंतिम नगर और
6. सबसे उत्तर का अंतर्राष्ट्रीय वायु पतन

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न स. 29 के बदले में है:

1. उस स्थान का नाम बताइये जहाँ गांधी जी ने मिल मालिकों के विरुद्ध सत्याग्रह का आयोजन किया था।

2. उस स्थान का नाम बताइये जहाँ हिंसा हुई थी और जिसके कारण गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया था।

3. चिनाब नदी पर बने बांध का नाम बताइये।

4. मध्य प्रदेश में स्थित साफ्टवेयर औद्योगिक पार्क का नाम बताइये।

5. भारत में सबसे दक्षिण के प्रमुख समुद्री पत्तन का नाम बताइये।

6. नरौरा परमाणु उर्जा संयत्र किस राज्य में स्थित है?

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center.

प्र.29 मानचित्र कार्य

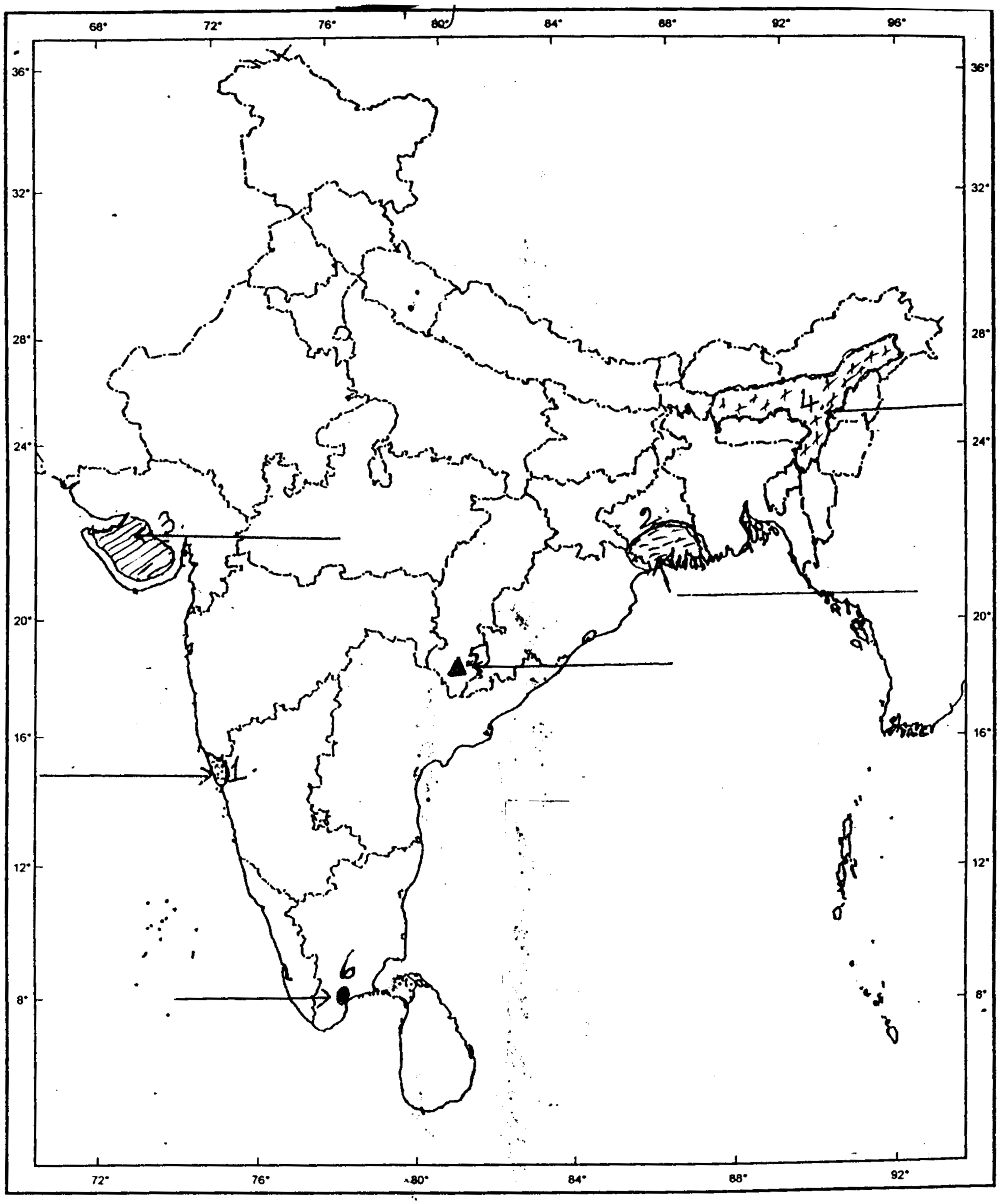

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center.

या

प्र.29 मानचित्र कार्य

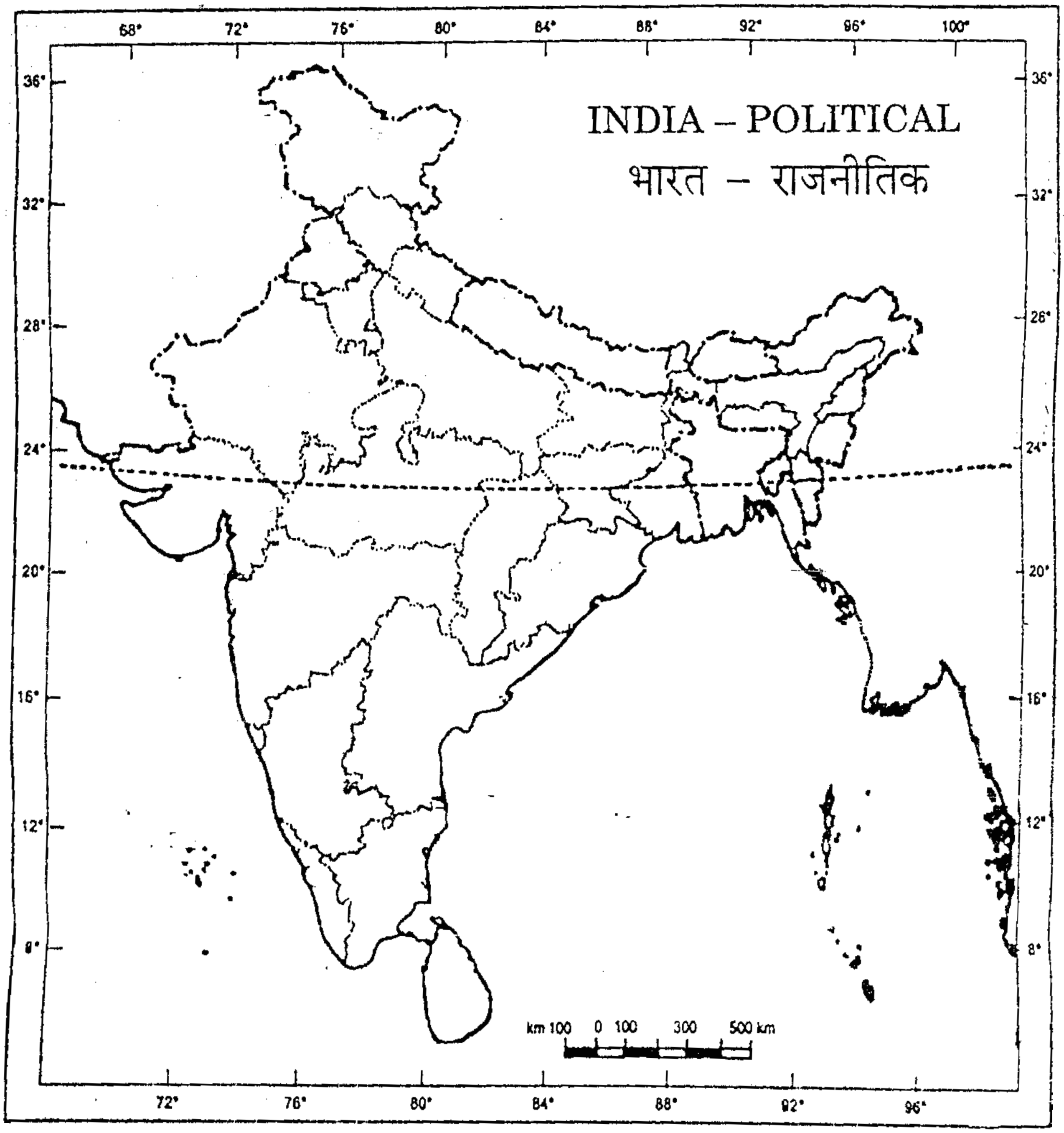

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

नमूना प्रश्न पत्र 2

अंक योजना

कक्षा : 10

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

प्र.सं.	उत्तरों की रूपरेखा	अंक
प्र.1	पेनी चैपबुक्स या एक पैसिया किताबें पाकेट आकार की होती थीं। इन्हें छोटे फेरी वाले बेचते थे। इन्हें चैपमेन कहा जाता था। ये किताबें एक पेनी में बिकती थीं। जिन्हें गरीब लोग भी खरीदकर पढ़ सकते थें। ½+½=	1
	या	
	'ओलिवर ट्विस्ट' एक गरीब अनाथ की कहानी है, जो छोटे मोटे अपराधियों और भिखारियों की दुनिया में रहता था। (पा.पु. 1, पृ. 180-181)	1
प्र.2	**खनिज संरक्षण अनिवार्य है क्योंकि :**	
	1. खनिज संसाधन सीमित और अनवीकरणीय है।	
	2. हमारे प्रतिदिन के जीवन में उनका अत्यधिक महत्व है।	
	3. उद्योगों और कृषि का विकास मुख्य रूप से खनिजों पर आश्रित है।	
	4. खनिजों का निर्माण बहुत धीरे-धीरे होता है। (कोई दो बिन्दु) पा.पु. 2, पृ. 61) ½+½=	1
प्र.3	**लघु उद्योग में वित्तीय निवेश की ऊपरी सीमा**	
	एक करोड़ रुपए की उपरी सीमा है, जो लघु उद्योग को बृहत् उद्योग से अलग करती है। (पा.पु. 2, पृ. 89)	1
प्र.4	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 1 (पा.पु. 2, पृ. 89)	1
प्र.5	तमिल और सिंहली (पा.पु. 3, पृ. 37) ½+½=	1
प्र.6	महिलाओं के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में बराबरी की मांग करने वाले महिलाओं के मूलगामी आंदोलनों के नारीवादी आंदोलन कहते हैं। (पा.पु. 3, पृ. 42)	1
प्र.7	**लोकतंत्र सरकार का बेहतर रूप है क्योंकि यह :**	
	1. समानता को बढ़ावा देता है। 2. व्यक्ति की मान-मर्यादा को बढ़ाता है। 3. निर्णय लेने की गुणवत्ता को सुधारता है। 4. भूल सुधार के अवसर प्रदान करता है। (कोई दो बिन्दु) (पा.पु. 3, पृ. 90) ½+½=	1

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.8	विभिन्न देशों की प्रतिव्यक्ति आय की तुलना को संभव बनाने के लिए (पा.पु. 4 पृ. 13)	1
प्र.9	बांध बनाने से अवसंरचनात्मक विकास होता है लेकिन अनेक लोगों को घर-बार छोड़ना पड़ता है। अत: यह उनके लिए विकास नहीं हो सकता। (पा.पु. 4 पृ. 8)	1
प्र.10	तुलना के लिए देशों की कुल आय का उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि विभिन्न देशों की जनसंख्या भिन्न होती है। (पा.पु. 4 पृ. 8)	1
प्र.11	(क) **दो प्रकार जिनमें ब्रितानी शासन दमनात्मक था**	
	(1) भारत के लोगों को जीने और अपने परिश्रम के फल का उपयोग करने की मूलभूत स्वतंत्रता से वंचित करना।	
	(2) देशी उद्योगों और शिल्पों को नष्ट करके भारत की अर्थव्यवस्था को चौपट करना।	
	(3) भारतीयों को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अंग्रेजों की तुलना में हीन बनाना।	
	(4) जनता का शोषण (कोई दो बिन्दु) ½+½=	1
	ख) **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन के तात्कालिक प्रभाव:**	
	(1) पूर्ण स्वराज की मांग	
	(2) 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप मनाया जाएगा, जब लोग पूर्ण स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की शपथ लेंगे।	
	(3) 12 मार्च 1930 को नमक यात्रा के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन का प्रारंभ, 16 अप्रैल को गांधी जी दांडी पहुँचे और नमक कानून को तोड़ा (कोई दो बिन्दु, 2 अंक) 1+2= (पा.पु. 1 पृ. 63)	3
प्र.12	(i) भारत माता की छवि ने मातृभूमि भारत का रूप ग्रहण कर लिया। भारत माता की छवि को पहली बार अबनींद्रनाथ टैगौर ने चित्रित किया। इस चित्र में भारत माता को शांत, गंभीर, देवी और आध्यात्मिक गुणों से युक्त सन्यासिनी के रूप में दिखाया गया है। बाद में जब अनेक कलाकारों ने इस तस्वीर को बनाया तो भारत माता की छवि विविध रूप ग्रहण करती चली गई। इस छवि को लोकप्रिय प्रति के रूप में प्रचारित किया गया।	
	(ii) झंडा भी राष्ट्रीयता का प्रतीक बन गया। बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा तैयार किया गया। इसमें ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करने वाले कमल के आठ फूल और हिन्दुओं और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता एक अर्ध चंद्र दर्शाया गया था। गांधी जी ने भी स्वराज का झंडा तैयार कर लिया था। जुलूसों में इस झंडे को थामे चलना शासन के प्रति अवज्ञा का संकेत था। (पा.पु. 1 पृ. 71-72) 1½+1½=	3

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	समूह क	
प्र.13	**19वीं शताब्दी की समाप्ति पर वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षण:** 1) वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था का अर्थ था कि आत्मनिर्भर ग्रामीण समाज का स्थान उदीयमान औद्योगिक नगर ले रहे थे। इनमें जनसंख्या अधिक होने के कारण भोजन की मांग भी बढ़ गई थी। 2) खेती शुरू करने के लिए विशाल वन भूमि को साफ करना था। पूर्वी यूरोप, रूस अमेरिका और आस्ट्रेलिया में ब्रिटेन का पेट भरने के लिए नई वन भूमि को साफ किया गया। 3) पूरी दुनिया से लगभग 15 करोड़ लोग अपना घर छोड़कर प्रवासी बन गए। अब किसान अपने खेतों पर स्वयं काम न करके दूर देशों से आए वैतनिक मजदूरों से खेती के काम करवा रहे थे। 4) भारी पूंजी निवेश और प्रौद्योगिकी का उपायेग अनिवार्य हो गया था। 5) रेल मार्गों, जहाजों, नए पतनों आदि का परिवहन के लिए निर्माण किया गया था। 6) एशिया, अफ्रीका और कैरीबियाई द्वीपसमूह के मजदूरों से बहुत कम वेतन पर काम करवाया जाता था। (कोई तीन बिन्दु) (पा.पु. 1 पृ. 82-83) 3x1=	3
प्र.14	**19वीं शताब्दी में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों की धीमी गति के कारण:** 1) 1840 के दशकों तक सूति वस्त्र उद्योग तथा धातु उद्योग अग्रणी औद्योगिक क्षेत्र थे। ये उद्योग भी आसानी से पारंपरिक उद्योगों को विस्थापित नहीं कर पाए थे। वस्त्र उद्योग में विशेषतया अधिक उत्पादन करखानों में न होकर, घरेलू इकाइयों में होता था। 2) लेकिन परिवर्तनों का आधार भाप चालित उद्योगों का पूरा उपयोग नहीं था। विकास का आधार छोटे-छोटे नवाचार बन रहे थे। कांच के काम, खाद्य प्रसंस्करण निर्माण और औजारों के उत्पादन में जो तरक्की हो रही थी, वह मुख्य रूप से छोटे-छोटे आविष्कारों का परिणाम थी। 3) नई प्रौद्योगिकी महंगी थी। उद्योगपति इनके उपयोग में फूंक-फूंक कर कदम रख रहे थे। 4) मरम्मत काफी खर्चीली थी। 5) भाप के इंजन जैसी सशक्त प्रौद्योगिकी को अपनाने में उद्योगपति हिचक रहे थे। (पा.पु. 1 पृ. 107-108) (कोई तीन बिंदु) 3x1=	3
	या	

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु		अंक
	समूह ख		
प्र.13	**मनोरंजन और अवकाश के संदर्भ में लंदन में सामाजिक परिवर्तन :**		
	इगलैंड में औद्योगीकरण के कारण दो विषम सामाजिक वर्ग बन गए – अमीर या संपन्न और गरीब या कामगार वर्ग। मनोरंजन और अवकाश में भी इनके बीच अंतर देखे गए।		
	1. अमीरों के लिए 'लंदन सीजन' की परंपरा थी। उनके लिए आपेरा, रंगमंच, शास्त्रीय संगीत आदि जैसे सांस्कृतिक आयोजन थे।		
	2. मेहनतकश अपना खाली समय पब या शराब घरों में बिताते थे। यहां वे खबरों का अदान-प्रदान भी करते थे और कभी-कभी रानीजतिक कार्रवाईयों का आयोजन भी करते थे।		
	3. आम लोगों का मनोरंजन स्थान सरकार द्वारा स्थापित, पुस्तकालय, कला दीर्घाएं, संग्रहालय आदि, थे।		
	4. निचले वर्ग के लोगों में संगीत सभा काफी लोकप्रिय थी।		
	5. 20वीं शताब्दी का सिनेमा भी जन मनोरंजन का साधन बन गया था। औद्योगिक कामगार अपनी छुट्टियां समुद्र तट पर बिताते थे।		
	(पा.पु. 1 पृ. 136) (कोई तीन बिंदु)	3x1=	3
प्र.14	**कथन की पुष्टि में ये तर्क हैं :**		
	1. भारत के सूती वस्त्रों पर आयात शुल्क लागने के लिए इगलैण्ड के औद्योगिक समूहों ने दबाव बनाया।		
	2. उद्योगपतियों ने ईस्ट इंडिया कंपनी पर भी दबाव बनाया कि वह ब्रिटिश कपड़ों को भारतीय बाजार में भी बेचे।		
	3. भारतीय बुनकरों के लिए निर्यात बाजार बंद हो गया।		
	4. स्थानीय बाजार में भी भारतीय वस्तुओं की मांग घट गई।		
	5. भारत तैयार माल के स्थान पर कपास का निर्यातक बन गया।		
	(पा.पु. 1 पृ. 116) (कोई तीन बिंदु)	3x1=	3
	या		
	समूह ग		
प्र.13	1. व्यापार और उद्योगों के प्रसार के साथ-साथ बंबई नगर ने पड़ोसी क्षेत्रों से प्रवासियों को भी आकर्षित किया ।		
	2. उन्हें यह नगर आशा और अवसरों का शहर लगने लगा। समय के साथ-साथ यह नगर समुद्री व्यापार का प्रमुख केन्द्र बन गया तथा यहाँ आप्रवासियों का आगमन और भी बढ़ गया।		

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	3. व्यापार में समृद्धि, संभ्रात व्यपारियों के उदय, निवेश के लिए पूंजी की उपलब्धता ने फिल्म उद्योग के विकास में सहायता की और यह अनेक लोगों के लिए सपनों की दुनिया या माया नगरी बन गया। 4. लेकिन विकास के साथ कुछ समस्याएँ भी पैदा हो गई जैसे भीड़-भाड़, मलिन बस्तियाँ, चालू लोगों का दयनीय जीवन, जीने के लिए निरंतर संघर्ष और कठोर परिश्रम (उत्तर का समग्र रूप में मूल्यांकन) (पा.पु. 1 पृ. 141-146) (कोई तीन बिंदु) 3X1=	3
प्र.14	**महामंदी एक विश्व व्यापी परिघटना थी, जिसके गंभीर प्रभाव पड़े।** 1. संयुक्त राज्य की आंतरिक अर्थव्यवस्था उत्पादन, व्यापार, आय ओर रोजगार में तेजी से कमी आने पर बुरी तरह प्रभावित हुई। 2. संयुक्त राज्य के बेंकों ने घरेलू ऋण बहुत कम कर दिये। कृषि उत्पादों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण ऋण वापस ले लिए। 3. किसानों के उत्पाद न बिकने के कारण उन की आय घट गई। अनेक किसान लिया हुआ ऋण नहीं चुका पाए। अनेक लोगों को अपने घर और उपभोक्ता वस्तुएँ छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। 4. बेरोजगारी आसमान छूने लगी। 5. अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था धाराशायी हो गई । अनेक बैंक दिवालिये हो गए। 1933 तक 4000 से ज्यादा बैंक बंद हो चुके थे। (पा.पु. 1 पृ. 95-96) (कोई तीन बिंदु) 3X1	3
प्र.15	मुंशी प्रेमचन्द आधुनिक हिन्दी और उूर्द साहित्य के महानतम साहित्यकारों में से एक थे। प्रेमचन्द्र के चरित्रों ने समुदाय आधारित लोकतांत्रिक मूल्यों की रचना की। उनके "रंगभूमि" नामक उपन्यास का प्रधान चरित्र, दृष्टिहीन भिखारी सूरदास अछूत जाति का है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। सूरदास की कहानी गांधी जी के विचारों से प्रेरित थी। मुंशी प्रेमचंद से पहले हिन्दी साहित्य किस्सों, जादुई शक्ति की कहानियों और पलायनवादी काल्पनिक कथाओं से भरा था। उनके उपन्यास 'सेवा सदन' (1916) में आम लोगों के जीवन और सामाजिक मुद्दों की चर्चा की गई है। इसमें समाज में स्त्रियों की दुरवस्था के वर्णन के साथ-साथ, बाल विवाह और दहेज जैसे सामाजिक मसले भी उठाए गए है। इस उपन्यास में उच्च वर्ग के चरित्र का विवरण भी है। इन्होंने औपनिवेशिक शासकों से स्वशासन के जो भी थोड़े बहुत मौके मिले, उनका कैसे इस्तेमाल किया, इसका भी विवरण है। (पा.पु. 1 पृ. 189) इसका मूल्यांकन समग्र रुप से होगा। या	3

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.15	**विषय जिन पर लेखिकाओं ने 19वीं शताब्दी में इंगलैंड में लिखा:**	
	1. 19वीं शताब्दी का ग्रामीण समाज	
	2. 19वीं शताब्दी के इंगलैण्ड की स्थापित सामाजिक मान्यताओं पर कुठाराघात।	
	3. लोकतांत्रिक जीवन (किन्हीं दो का वर्णन)	
	(पा.पु. 1 पृ. 182,184) 1½+1½=	3
प्र.16	16.1 शीर्षक : आंतरिक जल मार्ग	1
	16.2 (i) परिवहन का सबसे सस्ता साधन।	
	(ii) भू-परिवहन (सड़क और रेल) का यहां सुविकसित न होना।	
	(iii) साल के अधिकतर दिनों में नदियां नाव्य रहती हैं।	
	(iv) अन्य प्रासंगिक बिन्दु (पा.पु. 2 पृ. 93) (कोई दो बिन्दु, 2 अंक)	
	दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 16 के बदले में	
	क. उत्तर पूर्वी प्रदेश	1
	ख. **कारण** 1. पर्वतीय प्रदेश, 2. सघन वन क्षेत्र 3. बारंबार की बाढ़े 4. अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं, 5. अन्य प्रासंगिक बिन्दु (किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या, 2 अंक)	
	(पा.पु. 2 पृ. 94) 1+2=	3
प्र.17	**लोकतंत्र की तीन चुनौतियाँ है :**	
	1. लोकतंत्र को परिवर्तन की चुनौती तथा लोकतंत्र को स्थापित करने की चुनौती	
	2. स्थापित लोकतंत्र, विस्तार की चुनौती का सामना करते हैं, जैसे सरकार के सभी स्तरों पर सभी के लिए और अधिक सत्ता सुनिश्चित करना।	
	3. लोकतत्रं को मजबूत करना उदाहरण के लिए लोकतंत्र की संस्थाओं को मजबूत बनाना। 3X1=	3
	(पा.पु. 3 पृ. 102)	
प्र.18	जब हम कोई वस्तु खरीदते हैं तो निर्माता को उत्पादन के पैकेट पर कुछ जानकारी प्रदर्शित करनी पड़ती है। उपभोक्ता को सूचना का अधिकार है तथा निर्माता को कुछ जानकारी देनी पड़ती है जैसे अधिकतम खुदरा मूल्य, निर्माण की तारीख, खराब होने की अन्तिम तिथि, आदि।	
	(पा.पु. 4 पृ. 80) 3X1=	3
प्र.19	शिक्षा पर नियंत्रण के द्वारा फ्रांसीसी वियतनाम पर अपने शासन को सुदृढ़ करना चाहते थे। दो समूहों में इस पर मतभेद था।	

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. Center.

प्र.सं.		संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	1.	एक समूह फ्रांसीसी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाए जाने के पक्ष में था। यह फ्रांसीसी संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा वियतनामियों का फ्रांसीसी संस्कृति और सभ्यता से परिचय हो जाएगा। वियतनाम के शिक्षित लोग फ्रांसीसियों की भावनाओं और आदर्शों का आदर करेंगे तथा उनके लिए काम भी करेंगे।	
	2.	विचारकों के दूसरे समूह का सुझाव था कि वियतनामी भाषा को छोटी कक्षाओं में पढ़ाया जाना चाहिए। जिन थोड़े से लोगों ने फ्रांसीसी भाषा सीखकर फ्रांसीसी संस्कृति अपना ली थी, उन्हें पुरस्कार में फ्रांसीसी नागरिकता प्रदान की गई। (पा.पु. 1 पृ. 34,35) 2+2=	4
		या	
		बाल्कन प्रदेश: तनाव का स्रोत	
	1.	यह भौगोलिक और जातीय विभिन्नताओं का क्षेत्र था इसमें रोमानिया, बल्गारिया आदि शामिल थे। इस इस क्षेत्र के निवासी मोटे तौर पर स्लाव के रूप में जाने जाते थे।	
	2.	बाल्कन का बहुत बड़ा भाग आटोमन साम्राज्य में था। इसके विघटन से विस्फोटक स्थिति पैदा हो गई। उसके अधीन एक के बाद एक यूरोपीय राष्ट्रीयताएं उसके चंगुल से निकल कर स्वतत्रंता की घोषणा करने लगी।	
	3.	बाल्कन लोगों ने आजादी या राजनीतिक अधिकारों के अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया। उन्होंने इतिहास का इस्तेमाल, यह साबित करने के लिए किया कि वे कभी स्वतंत्र थे लेकिन बाद में उन्हें अधीन कर लिया गया।	
	4.	बाल्कन राज्य एक दूसरे से बहुत ईष्या करते थे और दूसरों के क्षेत्र हड़पने की आशा करते थे।	
	5.	परिस्थितियां इसलिए और अधिक जटिल हो गई क्योंकि बाल्कन क्षेत्र में बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा होने लगी। इस समय यूरोपीय शक्तियों के बीच व्यापार और उपनिवेशों के साथ नौसैनिक और सैन्य ताकत के लिए गहरी प्रतिस्पर्धा थी। इस कारण इस क्षेत्र में कई युद्ध हुए और अंततः प्रथम विश्व युद्ध हुआ। (कोई 4 बिन्दु) (पा.पु. 1 पृ. 26) 4X1=	4
प्र.20	(क)	प्रदेश के संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए एक सर्वमान्य कार्य को संसाधन नियोजन कहते हैं।	1
	(ख)	**संसाधन नियोजन की आवश्यकता :**	
	1.	भारत में संसाधानों की उपलब्धता में बहुत अधिक विविधता है।	
	2.	यहां ऐसे प्रदेश भी हैं जहाँ एक तरह के संसाधनों की प्रचुरता है, परन्तु दूसरे तरह के संसाधनो की कमी है।	

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	3. कुछ प्रदेश संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में आत्म निर्भर हैं और कुछ ऐसे भी प्रदेश हैं, जहां महत्वपूर्ण संसाधनों की अत्यधिक कमी है।	
	4. कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु। (कोई 3 बिन्दु, 3 अंक)	
	(पा.पु. 2 पृ. 4) 1+3=	4
प्र.21.	(1) कपास, जूट, सन और प्राकृतिक रेशम	
	(2) प्राकृतिक रेशम	
	(3) रेशम उत्पादन या कोशकीट-पालन (रेशम के कीड़े के कोकून से रेशम प्राप्त करना) (पा.पु. 3 पृ. 42) 2+1+1=	4
प्र.22	भारत में प्रयुक्त वर्षाजल संग्रहण के पारंपरिक तरीके	
	1. **गुल या कुले:** लोग पहाड़ी और पर्वतीय प्रदेशों में नदी की धारा को मोड़ने के लिए गुल या कुल बनाते थे। ये सामान्य नालियां होती थी। इनका अधिकतर उपयोग खेतों में सिंचाई के लिए पश्चिमी हिमालय में होता था।	
	2. **छत वर्षा जल संग्रहण :** राजस्थान में पेय जल को एकत्रित करने के लिए इस विधि का उपयोग होता था।	
	3. **बाढ़ जल वाहिकाएँ :** खेतों की सिंचाई के लिए बंगाल के बाढ़ के मैदानों में ऐसी वाहिकाएँ बनाई जाती थीं।	
	4. **खादीन और जोहड़:** शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों के खेतों में वर्षा जल एकत्रित करने के लिए गड्ढे बनाए जाते थें खादीन और जोहड़ राजस्थान में पाए जाते हैं।	
	5. **टाँका :** पेय जल के भंडारण के लिए, बीकानेर, फालोदी और बाड़मेर के लगभग सभी घरों में टांका या भूमिगत टैंक हुआ करते थे। टांका, सुविकसित छत वर्षा जल संग्रहण प्रणाली का अभिन्न अंग होता है।	
	6. कोई अन्य विधि (कोई 4 बिन्दु)	
	(पा.पु., 2 पृ. 32) 4X1=	4
प्र.23	आधुनिक लोकतंत्रों में सत्ता की साझेदारी	
	1. सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता की साझेदारी होती है। उदाहरणार्थ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका	
	2. सरकार में विभिन्न स्तरों पर सत्ता की साझेदारी हो सकती है। जैसे राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर।	

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	3. विभिन्न समूहों में सत्ता की साझेदारी जैसे भाषाई और जातीय समूह। 4. राजनीतिक दलों और दबाव समूहों के बीच। (पा.पु. 3, पृ. 8-9) 4X1=	4
प्र.24	**स्वतंत्रता के बाद कुछ सुधार के बावजूद भारत में महिलाएं अभी भी पुरुषों की तुलना में पिछड़ी हैं। इसके निम्नलिखित उदाहरण हैं :** 1. महिलाओं की निम्न साक्षरता दर। पुरुषों की साक्षरता दर 76 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की मात्र 54 प्रतिशत हैं। 2. स्त्रियों और पुरुषों के लिंग अनुपात में असमानता 3. ऊँचे वेतन और ऊँचे पदों पर पहुँचने वाली महिलाओं की संख्या अब भी बहुत कम है। 4. कार्य के लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की मजदूरी कम होती है। 5. पुत्रों की चाह तथा कन्या भ्रूण हत्या की प्रथा का चलन। 6. महिलाओं का उत्पीड़न, शोषण और हिसां आम बात है। (पा.पु. 3 पृ. 42-44) (उपरोक्त में कोई 4 बिन्दु) 4X1=	4
प्र.25	**(1) वर्ग विशेष के हित-समूहः** वे हित समूह हैं जो समाज के किसी विशेष समूह के हितों को बढ़ावा देते हैं। ऐसे दबाव समूहों का मुख्य सरोकार पूरे समाज का नहीं अपितु अपने सदस्यों की बेहतरी और कल्याण करना होता है। मजदूर संगठन व्यावसायिक संघ आदि ऐसे ही दबाव समूह हैं। **(2) जन-सामान्य के हित-समूह :** ये समूह सर्व सामान्य हितों को बढ़ावा देते हैं। ये कुछ थोड़े से लोगों का हित साधन नहीं करते हैं। ये समूह पूरे समाज के लिए सामाजिक समानता और सामाजिक न्याय की चिंता करते हैं। जैसे नर्मदा बचाओ आंदोलन। (पा.पु. 3 पृ. 63-64) 2+2=	4
प्र.26	**तृतीयक क्षेत्रक के सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक बनाने के कारण :** 1. आर्थिक अवसंरचना तथा स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सामाजिक अवसंरचना में सरकार की भूमिका बढ़ती जा रही है। 2. कृषि और उद्योग के विकास से सेवाएं भी विकसित होती हैं। 3. आय में वृद्धि होने से सेवाओं की मांग में और अधिक वृद्धि होती है।	

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	4. ज्ञान में वृद्धि के परिणामस्वरूप नई सेवाओं की वृद्धि होती है। 5. कोई अन्य उपयुक्त बिंदु। (पा.पु. 4 पृ. 24) (उपरोक्त में कोई 4 बिन्दु) 4X1=	4
प्र.27	**(क) ग्रामीण साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत हैं:** 1. सहकारी समितियां 2. व्यापारिक बैंक **(ख) ग्रामीण साख (ऋण) के अनौपचारिक स्रोत हैं :** 1. साहूकार 2. व्यापारी परिवार के सदस्य, आदि **(ग) साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत के लाभ हैं:** 1. ब्याज की कम दर पर ऋण प्रदान करते हैं। 2. साहूकारों जैसा कोई अनुचित तरीका काम में नहीं लाते हैं। (पा.पु. 4 पृ. 49) 1+1+2=	4
प्र.28	**क. वैश्वीकरण के अच्छे प्रभाव** वैश्वीकरण के कारण स्थानीय और विदेशी दोनों ही उत्पादकों में प्रतिस्पर्द्धा अधिक हो गई है। इसके परिणाम स्वरूप उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और कीमतें कम हो गई है। **ख. वैश्वीकरण का बुरा प्रभाव** वैश्वीकरण के कारण छोटे उत्पाद को और मजदूरों की समस्याएँ बहुत बढ़ गई है। ये उत्पादक विदेशी बड़े उत्पादकों की प्रतिस्पर्द्धा का सामना करने में असमर्थ हैं। इसी कारण उत्पादन की अनेक छोटी इकाइयों को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। (पा.पु. 4 पृ. 62) 2+2=	4

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्र.29 का उत्तर

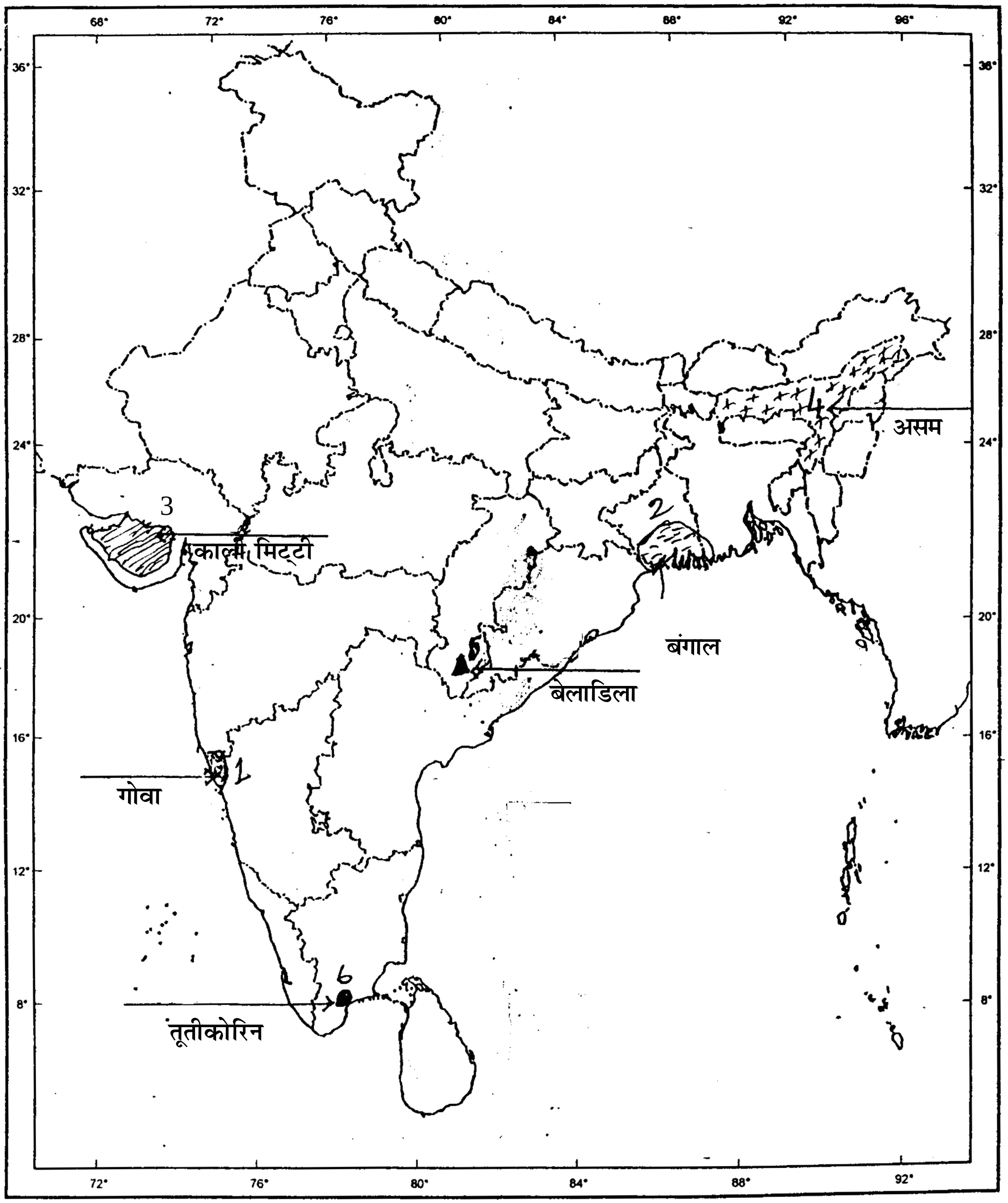

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center.

या

प्र.29 का उत्तर

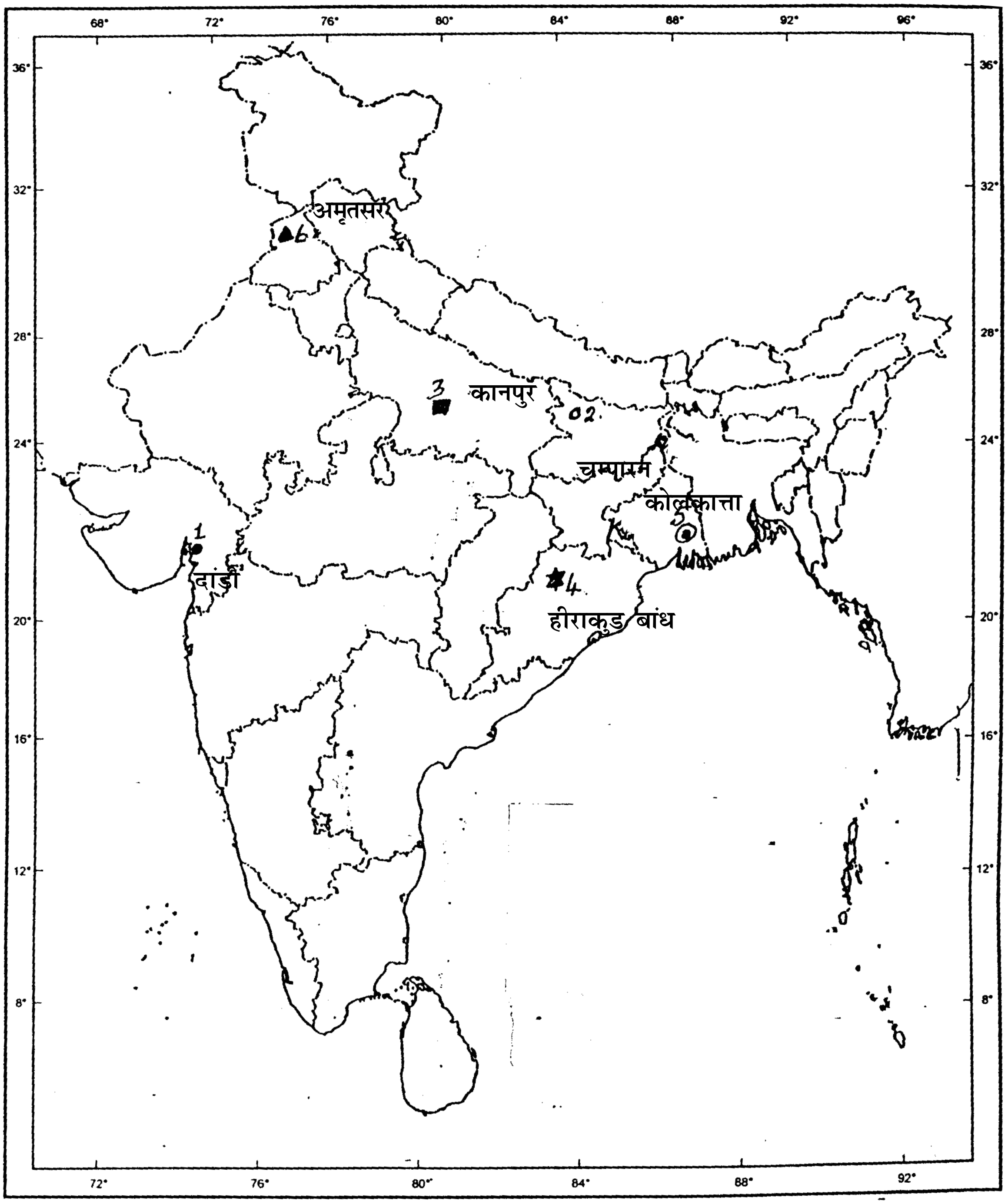

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न के बदले मे :

1. अहमदाबाद
2. चौरी-चौरा
3. सलाल
4. इंदौर
5. तूतीकोरिन
6. उत्तर प्रदेश 6X1= 6

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

नमूना प्रश्न पत्र - II

विषय : सामाजिक विज्ञान कक्षा : दसवीं अधिकतम अंक : 80 समय : 3 घंटे

प्रश्नानुसार विश्लेषण

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
1	I,7 या 8	अ० ल० उ०	1	2 मिनट	ग
2	II,5	"	1	"	ग
3	II,6	"	1	"	ग
4	II,7	"	1	"	ग
5	III,3	"	1	"	ग
6	III.4	"	1	"	ग
7	III,7	"	1	"	ग
8	IV,1	"	1	"	ग
9	IV,1	"	1	"	ग
10	IV,1	"	1	"	ग
11	I,3	ल० उ०	3	6 मिनट	ग
12	I,3	"	3	"	ग
13	I,4,5,6	"	3	"	क
14	I,4,5,6	"	3	"	ख
15	I,8	"	3	"	ख
16	II,7 या 8	"	3	"	ख
17	III,8	"	3	"	क
18	IV,5	"	3	"	ख
19	I,1 या 2	दी० उ०	4	8 मिनट	ग
20	II,1	"	4	"	ख
21	II,4	"	4	"	ख

CBSEsamplepapers.co.in
CBSE Exams Sample Papers Download Center. :enter.

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
22	II,3	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ख
23	III,1 और 2	"	4	"	ख
24	III,3 और 4	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ख
25	III,5 और 6	"	4	"	ख
26	IV, 3	"	4	"	ख
27	IV 2	"	4	"	ग
28	IV 4	"	4	"	क
29	1.4 और 2.9	मानचित्र प्रश्न	2+4	5+10 मिनट	क
कठिनाई स्तर में प्रयुक्त संकेताक्षरों के अर्थ					
	क	कठिन	20%	16 अंक	
	ख	औसत	50%	40 अंक	
	ग	आसान	30%	24 अंक	